संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 303
पृष्ठ 8
शुक्रवार
25 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- किचन में रखे मसाले खराब हो गए...

विचार- उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के असल...

खेल- दो टेस्ट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद...

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की जगह नहीं : मोदी

लंदन। भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इससे ब्रिटिश व्हिस्की, कारों और कई वस्तुओं पर टैरिफ में कमी आएगी। इसके साथ ही द्विपक्षीय व्यापार में सालाना लगभग 34 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी होगी। समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्आज हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक दिवस है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। समझौता महज आर्थिक साझेदारी नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि की योजना है। ये समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और डेडम्क्षेत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कठोर निंदा के लिए

● भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

हम प्रधानमंत्री स्टार्मर और उनकी सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। हम इस बात पर भी सहमत हैं, कि अतिवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि हिंद–प्रशांत में शांति और स्थिरता, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर हम विचार साझा करते रहे हैं। सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अनिवार्य है। आज के युग की मांग विस्तारवाद नहीं विकासवाद ही है। पीएम मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं प्रधानमंत्री स्टार्मर के गर्मजोशी भरे स्वागत–सत्कार के लिए,

हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। आज हमारे संबंधों में एक एतिहासिक दिन है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। एक ओर भारतीय टेक्सटाइल्स, फुटवियर, रत्न और आभूषण, सी–फूड और इंजीनियरिंग गुड्स को ब्रिटेन में बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा, 'भारत के ऐग्रिकल्चर उत्पादन और प्रोसेस्ड फूड उद्योग के लिए ब्रिटेन के बाजार में नए अवसर बनेंगे। भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई सेक्टर के लिए यह समझौता विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर भारत के लोगों और उद्योग के लिए ब्रिटेन में बने उत्पाद जैसे मेडिकल डिवाइसेज और एयरोस्पेस पार्ट्स सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगे।'

प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार विजय लक्ष्मी विभा आज सम्मानित होगीं महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2025 से

प्रयागराज। आज 25 जुलाई को प्रयागराज के सारस्वत भवन में एक अलंकरण समारोह में प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार विजय लक्ष्मी विभा को महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2025 से सम्मानित किया जाएगा जिसके अंतर्गत आपको 5 हजार रु की राशि, एक स्मृति चिन्ह, शाल और प्रशस्ति पत्र प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित कवि एवं कवयित्रियाँ भी मौजूद रहेंगी।

49 यात्रियों को लेकर जा रहा रूसी विमान क्रैश हुआ, सभी की मौत

रूस, एजेंसी। रूस के अमूर क्षेत्र में गुरुवार को एक एएन24 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार 49 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 बच्चे और 6 क्रू–मेंबर भी शामिल हैं। विमान ने ब्लागोवेशचेंस्क से उड़ान भरी थी। वह रूस–चीन सीमा के पास स्थित टिंडा की ओर जा रहा था, लेकिन निर्धारित लैंडिंग से कुछ समय पहले ही विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस फ्लाइट को साइबेरिया की अंगारा एयरलाइंस संचालित कर रही थी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी श्तासश के अनुसार, विमान में कथित तौर पर हवा में ही आग लग गई और वह रडार से गायब हो गया। इसके बाद रेस्क्यू हेलीकॉप्टर्स ने टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक सुदूर पहाड़ी पर जलते हुए मलबे का पता लगाया। अमूर

सेंटर ऑफ सिविल डिफेंस एंड फायर सेफ्टी के अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए बताया, प्जब एक एमआई–8 खोजी हेलीकॉप्टर दुर्घटनास्थल के ऊपर से उड़ा, तो कोई भी यात्री जीवित नहीं मिला।ष जानकारी के मुताबिक विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई। एक प्रवक्ता ने कहा, रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद कठिन हो गया है, क्योंकि हादसा एक खड़ी और दुर्गम ढलान पर हुआ है। इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी राहत कार्य में बड़ी बाधा बन रही हैं। घने टैगा जंगल और दलदली जमीन ने बचाव दलों के लिए घटनास्थल तक पहुंचने में मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। चौंकाने वाली बात यह रही कि विमान ने क्रैश होने से पहले कोई भी श्डिस्ट्रेस सिग्नलश नहीं भेजा, जिससे यह सवाल और गहरा गया है कि आखिर विमान में अचानक ऐसा क्या हुआ, जिसकी भनक तक नहीं लगी।

देवनानी ने सिंदूर का पौधा लगाकर कारगिल शौर्य वाटिका में पौधारोपण का किया शुभारम्भ

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनकी पहल पर ही विधानसभा में बनाई गई कारगिल शौर्य वाटिका में गुरुवार को सिंदूर का पौधा लगाकर पौधारोपण का शुभारंभ किया। श्री देवनानी ने विधानसभा में तैयार की गई कारगिल शौर्य वाटिका में हरियाली अमावस्या

पर एक दिन में पांच प्रजातियों के 1100 पौधे लगाने की सिंदूर का पौधा लगाकर शुरुआत की। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर श्री देवनानी के साथ वीरांगनाओं ने भी विधानसभा की कारगिल शौर्य वाटिका में पौधे लगाये। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर तथा कई विधायकों ने भी वाटिका में पौधारोपण किया। श्री देवनानी ने बताया कि विधानसभा परिसर में कारगिल विजय में शहीद हुए सैनिकों की स्मृति में कारगिल शौर्य वाटिका की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि इस वाटिका में सिंदूर, एरिका पाम, सांग ऑफ इण्डिया, किसना फाइकस और क्रोटोन प्रजाति के पौधे लगाये गये हैं। उन्होंने बताया कि वायु प्रदूषण को कम करने वाले यह पौधे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के प्रतीक है।सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनाने वाले इन पौधों की पत्तियों का उपयोग पारम्परिक चिकित्सा प्रणाली में उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध जो 1999 में कारगिल सेक्टर में लड़ा गया था, वह भारतीय सेना के साहस और बलिदान का महत्वपूर्ण उदाहरण है। शौर्य वाटिका इस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता को समर्पित है। यह समाज के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना को विकसित करने और उन्हें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देने का माध्यम है।

दक्षिण कन्नड़ जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, रेड अलर्ट जारी

कन्नड़, एजेंसी। कर्नाटक के तीन तटीय जिलों दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में 23 जुलाई की रात से भारी बारिश दर्ज की गई है। राज्य में मानसूनी बारिश फिर से तेज़ होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले सप्ताह कर्नाटक के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ 40–50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएँ चलने की संभावना

है। कर्नाटक में, उडुपी, उत्तर कर्नाटक और दक्षिण कर्नाटक जिलों में अत्यधिक वर्षा के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने गोवा के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और बारिश के 'रेड अलर्ट' के मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ियों, प्राथमिक व उच्च विद्यालयों और 'प्री–यूनिवर्सिटी' कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। जिला प्रशासन ने एक अधिसूचना में कहा कि यह निर्णय भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी 'रेड अलर्ट' के मद्देनजर लिया गया है जिसमें दक्षिण कन्नड जिले में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए तैयार कराए गए शैक्षिक कार्यक्रम बाल विकास एवं पोषण शिक्षा पर आधारित पाठ्य सामग्री का विमोचन प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में किया। उन्होंने पुस्तक तैयार करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सत्यकाम की सराहना की तथा इस कार्यक्रम को अधिक से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि बाल विकास एवं पोषण शिक्षा पर आधारित इस पुस्तक में बाल विकास की अवधारणा, बाल आहार एवं पोषण, बाल स्वास्थ्य सेवाएं एवं संगठन तथा बाल मनोविज्ञान का वर्णन किया गया है। प्रो. सत्यकाम ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों के लिए तैयार किए गए प्रमाण पत्र कार्यक्रम में निःशुल्क शिक्षा की पहल की है।

विश्व कल्याण के निमित्त पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

विश्व कल्याण के निमित्त पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

प्रयागराज। नैतिक विकास शोध संस्थान सेवा ट्रस्ट की ओर से बुधवार को त्रिवेणी बांध स्थित रामजानकी मन्दिर के पास विश्व कल्याण के निमित्त पार्थिव शिवलिंग निर्माण, अभिषेक एवं विसर्जन महायज्ञ संपन्न हुआ। इस मौके पर महासचिव सत्य प्रकाश पांडेय ने कहा कि सावन शिवरात्रि भक्तों को उत्तम स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि प्रदान करता है। उन्होंने शिवभक्तों से यज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पार्थिव शिवलिंग निर्माण की अपील की। विजेन्द्र तिवारी विजयानन्द, लवकेश मिश्रा, प्रमोद शुक्ला, शैलेंद्र मिश्रा, विमल तिवारी, सुधीर द्विवेदी, विपिन तिवारी, राजेन्द्र त्रिपाठी, ब्रिजेन्द्र त्रिपाठी, सिद्ध बाबा, आकांक्षा पांडेय, मधुबाला पांडेय, जय प्रकाश पांडेय मौजूद रहे।

15 लाख रुपये के स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज। एंटी नॉरकोटिक्स टॉस्क फोर्स और झूंसी थाने की पुलिस ने बुधवार की रात 79 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल, एक बाइक व 2120 रुपये नकदी भी बरामद की गई है। जब्त स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस व एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्रिवेणीपुरम मैदान के समीप आरोपी तस्कर रंजीत सिंह निवासी रूद्रा कॉलोनी कटका झूंसी को गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी में 66 पुड़िया में अवैध स्मैक मिली। पुलिस के अनुसार, आरोपी रंजीत सिंह अवैध तरीके से स्मैक बेचने का काम करता था। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

एएमए में नेत्ररोग पर संगोष्ठी 27 को

प्रयागराज। इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 27 जुलाई को एएमए सभागार में वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। एएमए के सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार संगोष्ठी में सेंटर फॉर साइट अस्पताल की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. रितिका मुखर्जी, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. प्रणव सलूजा, महेश नेत्रालय के डॉ. वरुण खरबंदा और आई केयर सेंटर की परामर्शदाता डॉ. ज्योति नेत्र रोग से संबंधित विभिन्न समस्याओं और निदान पर विचार व्यक्त करेंगे। डॉ. आशुतोष के अनुसार बरसात के मौसम में आंखों की बीमारियां और उपचार के बारे में केस स्टडी की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम सुबह 8.15 बजे शुरू होगा।

48 घंटे में सवा मीटर तक घटा गंगा का जलस्तर

प्रयागराज। प्रयागराज में गंग–यमुना का जलस्तर लगातार घट रहा है। 48 घंटे में गंगा का जलस्तर सवा मीटर तक घटा है। यमुना का भी पानी 48 घंटे में एक मीटर 10 सेमी कम हुआ है। पिछले 24 घंटे (बुधवार सुबह आठ बजे से गुरुवार सुबह आठ बजे तक) फाफामऊ में गंगा का जलस्तर फाफामऊ और छतनाग में क्रमशरू 56 सेमी, 67 सेमी कम हुआ। इसी अवधि में नैनी में यमुना का जलस्तर 67 सेमी घटा। सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.17 मीटर, छतनाग 80.13 मीटर तथा नैनी में यमुना 80.79 मीटर पर थीं। फाफामऊ, छतनाग में गंगा और नैनी में यमुना का जलस्तर दो समी हर घंटे कम हो रहा है।

बाबा के धाम अमरनाथ तो पहुंचे लेकिन नहीं हो सके हिम शिवलिंग के दर्शन

प्रयागराज। बाबा अमरनाथ की यात्रा पूर्ण कर प्रयागराज के कारोबारियों का एक दल सोमवार को जम्मू मेल से यहां सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर उतरा। इस दल में शामिल अधिकांश चेहरों पर इस बात की खुशी थी कि वह कठिन माने जाने वाली अमरनाथ यात्रा पूर्ण करके सकुशल पूर्वक प्रयागराज पहुंच गए हैं।

बाबा अमरनाथ की यात्रा पूर्ण कर प्रयागराज के कारोबारियों का एक दल सोमवार को जम्मू मेल से यहां सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर उतरा। इस दल में शामिल अधिकांश चेहरों पर इस बात की खुशी थी कि वह कठिन माने जाने वाली अमरनाथ यात्रा पूर्ण करके सकुशल पूर्वक प्रयागराज पहुंच गए हैं। हालांकि उन्हें इस बात का भी मलाल था कि वह अमरनाथ की पवित्र गुफा तक पहुंच तो गए लेकिन हिम शिवलिंग के दर्शन उन्हें नसीब नहीं हुए। क्योंकि उनके पहुंचने के पूर्व ही शिवलिंग पिघल गई थी।

शहर पश्चिमी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अखिलेश सिंह, महामंत्री धनंजय सिंह समेत तमाम कारोबारी एवं अन्य पेशे से जुड़े लोग अपने परिवार के सदस्यों के साथ 10 से 13 जुलाई के बीच अलग–अलग ग्रुप में इस यात्रा के लिए निकले। अखिलेश सिंह बताते हैं कि वह अमरनाथ की उनकी यह 18 वीं यात्रा रही। कहा कि यात्रा तो बहुत ही अच्छी रही लेकिन पवित्र गुफा तक पहुंचने क पहले ही हमारे दल को सूचना मिली कि हिम शिवलिंग पिघल गई है। कहा कि यह सुनकर मन को कष्ट तो हुआ लेकिन यही लगा कि अब इतनी दूर आ ही गए हैं तो पवित्र गुफा का ही दर्शन कर पुण्य कमाया जाए। इसी तरह धनंजय सिंह अपनी पत्नी क्षमा के साथ बालटाल के रास्ते अमरनाथ पहुंचे। धनंजय ने बताया कि 13 जुलाई को वह प्रयागराज से निकले। कटरा से श्रीनगर तक की यात्रा वंदे भारत ट्रेन से की।

मुसीबत आई तो किराएदार बता बेगाना कर दिया

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर भले ही कम हो रहा है लेकिन बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वालों की दुश्वारियां अभी कम नहीं हुई हैं। बड़ी तादात में लोग अब भी अपने ही शहर में घर–गृहस्थी छोड़ राहत शिविरों में शरणार्थी बने हुए हैं। जिन्हें राहत शिविरों में शरण मिली उनकी खुशकिस्मती यह थी कि वे इसी शहर के रहने वाले हैं और उन्हें 'अपना लिया गया लेकिन हजारों ऐसे भी हैं जिनसे मुसीबत की घड़ी में इस शहर ने मुंह मोड़ लिया। ये बदकिस्मत हैं इस शहर में किराए पर रहने वाले वे छात्र जो अपना भविष्य संवारने का सपना लेकर यहां पढ़ने आए हैं लेकिन जब प्राकृतिक आपदा इनके ठिकानों तक पहुंची तो इन्हें बाहरी बताकर ठुकरा दिया गया और जिम्मेदारों ने भी इनसे नजरें फेर रखी हैं।

गाजीपुर के पंकज राय दो साल से छोटा बघाड़ा के ढरहरिया में किराए का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं। सप्ताह भर पूर्व गंगा में उफान के कारण बाढ़ का पानी उनके लॉज तक आ गया। आननफानन में सामान समेट कर कटरा में रहने वाले एक दोस्त के कमरे पर रख दिया और सोचा कि दो–चार दिन बाढ़ राहत शिविर में रुक कर पानी उतरने का इंतजार करते हैं और पानी उतरने पर कमरे में लौट जाएंगे। एनी बेसेंट स्कूल में बने राहत शिविर में पहुंचे तो यह कह कर लौटा दिया गया कि वह किराएदार हैं और शिविर में उन्हें रहने की इजाजत नहीं है। जिसके बाद अस्थाई तौर पर दूसरा कमरा तलाशा तो किराया दस से बारह हजार रुपये बताया गया जो उनकी सामर्थ्य से बाहर था। आखिर में मन मसोस कर पंकज को वापस घर जाना पड़ा। अब पानी कम होने पर वापस आए हैं और कमरे की सफाई में लगे हैं। इसी तरह प्रतापगढ़ के हिमांशु कुमार, जौनपुर के दीपक कनौजिया, गोरखपुर के दीपांकर एवं रामजीत सहित तमाम छात्रों को बाढ़ राहत शिविर में पनाह न मिलने के कारण इधर–उधर भटकना पड़ा है। जिनके घर करीब थे वह तो लौट गए लेकिन जो नहीं जा सके वह मजबूरी में पानी से घिरे कमरे में ही बने रहे। किराएदार होना

कोई अपराध नहीं है लेकिन इन छात्रों को किराएदार होने की सजा मिली है और उन्हें बाढ़ राहत शिविरों से सिर्फ इसीलिए लौटा दिया गया कि वह बाहरी हैं। यह बर्ताव व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। किराया कम होने के कारण तटीय बस्तियों में रहना मजबूरी दूरदराज से बेहतर भविष्य का सपना लेकर आए छात्र सलोरी, बड़ा बघाड़ा, छोटा बघाड़ा, ढरहरिया आदि इलाकों में इसलिए कमरा लेकर रहते हैं क्योंकि यहां के कमरों का किराया अन्य जगहों की तुलना में कुछ कम है। गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले ये छात्र घर से राशन लेकर आते हैं और सस्ता कमरा लेकर अपनी पढ़ाई करते हैं। साइकिल से आना जाना करते है ताकि दो पैसे बच जाएं। उनकी माली हालत ऐसी नहीं होती कि वह शहर के सुरक्षित इलाकों में महंगा कमरा लेकर रह सकें। किराए का बोझ कम हो इसके लिए कमरा दूसरे साथी के साथ साझा करते हैं। ऐसे छात्रों को जब बाढ़ से बचने के लिए शरण की जरूरत पड़ी तो उन्हें शहर का अलग ही चेहरा दिखाई पड़ा जहां व्यवस्था ने बताया कि तुम किराएदार हो इसलिए राहत शिविर में जगह नहीं मिल सकती, वहीं जो अपने घरों में जगह दे सकते थे उन्होंने कमाई का मौका समझकर अनाप–शनाप किराया मांगना शुरू कर दिया। सबसे बड़ी बात इस मुसीबत की घड़ी में न तो वे शिक्षण संस्थान आगे आए जहां ये छात्र पढ़ते हैं और न ही वे छात्रनेता दिख रहे जो खुद को इनका अगुआ बताकर हर मौके पर भीड़ के रूप में इस्तेमाल करते हैं। पानी कम होने पर लौटे छात्र, कमरों की कर रहे सफाई बाढ़ का पानी उतरने के बाद छात्र अब लौटने लगे हैं। पानी भले ही कम हो गया हो लेकिन अपने पीछे तमाम दुश्वारियां छोड़ गया है। गलियां और सम्पर्क मार्ग कीचड़– गंदगी से पटे हुए हैं। बदबू के कारण कुछ देर रहना भी मुश्किल है। कमरों में घुटने तक पानी भर जाने के कारण दीवारें सीलन के कारण नम हैं। कमरों में भी कीचड़ भरा होने के कारण वापस आए छात्र मंगलवार को झाड़ू लेकर कमरे की सफाई में व्यस्त दिखे। गीले कपड़ों और बिस्तर को धूप दिखाई जा रही है ताकि वह फिर से इस्तेमाल करने लायक हो जाएं। इन सब के बीच छात्र आशंकित हैं कि बाढ़ का पानी फिर न आ जाए। इसलिए कम सामान ही खोले जा रहे हैं और बाकी सामान उसी तरह पैक कर रखे गए हैं। हमारी भी सुनें – जरूरी सामान एक परिचित के यहां रख दिया था और खाना होटल में खाते थे। सोने के लिए रात को स्टेशन पर चले जाते थे। तीन दिन हमारे बेहद मुश्किल में बीते। शिविर में रहने की जगह मिल जाती तो परेशानी न होती।–नंद किशोर लॉज तक पानी आ गया तो सामान समेट कर दूसरे कमरे की तलाश की गई। वहां किराया इतना अधिक बताया कि सोचा इससे बेहतर है कि घर वापस लौटा जाए। शिविर में रहने मिलता तो घर क्यों लौटते।–मुकेश प्रजापति प्रशासन ने छात्रों के साथ काफी बुरा सलूक किया है। छात्र सिर्फ इसलिए शिविरों से बाहर कर दिए गए क्योंकि वह किराएदार हैं। क्या किराए पर रहना कोई अपराध है। यह अन्यायपूर्ण कार्रवाई है।–शिव यादव छोटा बघाड़ा में सैकड़ों की संख्या में छात्र रहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। बाहर से आए इन छात्रों को मुसीबत के समय इस तरह बेसहारा छोड़ देना अमानवीय है। बाढ़ पीड़तों में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।–नितिन यादव हमारे तीन चार दिन बेहद मुश्किल में बीते, राशन भीग गया था, कपड़े भी भीगे हुए थे। किसी तरह दोस्तों की मदद से काम चला। अगर बाढ़ शिविर में रहने की जगह मिल जाती तो इतनी परेशानी न होती।– राहुल बिंद बाढ़ का पानी लॉज तक आ गया तो मजबूरी में सामान लेकर दोस्त के कमरे पर चले गए। सामान तो वहां रख दिया लेकिन शिविर में रहने नहीं दिया गया। इससे मजबूरी में अपने घर लौटना पड़ा था।–मयंक प्रशासन को यह सोचना चाहिए कि आम लोगों की तरह छात्र भी एक इंसान हैं, इनकी भी अपनी परेशानियां हैं। हम भी इस देश के नागरिक हैं लेकिन हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया गया।–शिवांश पांडेय घर से जो पैसा आता है वह कोचिंग की फीस, आने जाने का भाड़ा और खाने में खर्च हो जाता है। किराया कम होने के कारण ही हम लोग मजबूरी में यहां रहते हैं। छात्रों को भी शिविर में स्थान दिया जाना चाहिए था।–राजेश पाल छात्रों और किराएदारों को बाढ़ राहत शिविरों में रहने की इजाजत न देना उनके साथ सरासर अन्याय है। आखिर छात्र भी तो इंसान हैं, क्या किराएदार होना गुनाह है। प्रशासन का यह निर्णय सरासर गलत है।–अखिलेश पाल जो लोग बाढ़ से प्रभावित हैं उन सभी लोगों को राहत शिविरों में पनाह दी जानी चाहिए। प्रशासन की मनमानी के कारण सैकड़ों छात्रों को पलायन करना पड़े तो सिस्टम पर सवाल तो उठेंगे ही।–हिमांशु यादव एक दिन दोस्त के कमरे में रुके लेकिन दूसरे दिन घर लौटना पड़ा क्योंकि बाढ़ शिविर में रुकने ही नहीं दिया गया। आधार और आई कार्ड भी दिखाया लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था।–अरविंद छात्र बेहद सीमित संसाधनों में यहां रहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं, मानवीय आधार पर उनके रहने खाने की व्यवस्था की जानी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। छात्रों के साथ सौतेला व्यवहार नहीं होना चाहिए।–विपिन यादव कमरे में पानी आ गया तो सोचा कि दो चार दिन की परेशानी है तब तक राहत शिविर में रह लेंगे लेकिन शिविर से इसलिए बाहर कर दिया गया कि हम लोग किराएदार हैं, यह अन्यायपूर्ण निर्णय है।–सुजीत कुमार जो लोग बाढ़ प्रभावित थे प्रशासन ने बाढ़ शिविरों में उनके रहने खाने का इंतजाम किया था लेकिन छात्र इस सुविधा से वंचित कर दिए गए। छात्रों के साथ ऐसा सौतेला व्यवहार अनुचित है।–सुशील बिंद बोले जिम्मेदार— बाढ़ राहत शिविरों में हर बाढ़ प्रभावित को समुचित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी चाहे वह छात्र हो या किराएदार। किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। अगर ऐसी शिकायत है तो पता किया जाएगा और उच्चाधिकारियों से बात कर इस समस्या का निदान करा दिया जाएगा।–गणेश केसरवानी, महापौर

इविवि में इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में मंगलवार को कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई विद्वत परिषद (एकेडमिक काउंसिल) की बैठक में बड़ा निर्णय लिया गया। परिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में लागू करने की मंजूरी दे दी है। विश्वविद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र 2025–26 से ही चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू होगा। खास बात यह है कि स्नातक में भी अब सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। स्नातक में कुल आठ सेमेस्टर होंगे। स्नातक में तीन विषय ही होंगे पर इनमें से दो मुख्य विषय होगा, जिसे मेजर कहा जाएगा तो एक सहायक विषय होगा, जो माइनर कहलाएगा। वर्तमान में जैसे

तीसरे साल में तीन में से कोई एक विषय छोड़ दिया जाता है, वैसे नई प्रणाली में भी तीसरे साल में सहायक विषय छोड़ दिया जाएगा। तीसरे साल में छात्र केवल दो मुख्य विषयों का अध्ययन करेंगे। चौथे साल यानी सातवें और आठवें सेमेस्टर में छात्र योग्यता के नियमों के आधार पर तीसरे साल के दो में से किसी एक विषय में ऑनर्स कर सकेगा। अंतिम यानी चौथे वर्ष में कुछ मेधावी विद्यार्थियों को ऑनर्स विथ रिसर्च का भी मौका मिलेगा। अब छात्र एक वर्ष बाद प्रमाणपत्र, दो वर्ष बाद डिप्लोमा, तीन वर्ष बाद स्नातक डिग्री हासिल कर सकेंगे।

चार वर्ष की पढ़ाई पूरी करने वालों को ऑनर्स की डिग्री मिलेगी। विद्यार्थियों को हर सेमेस्टर में 20 क्रेडिट की पढ़ाई करनी होगी। पूरा पाठ्यक्रम 160 क्रेडिट और आठ सेमेस्टर में विभाजित होगा।

अजय राय बोले- योगीराज में भाजपा नेता सड़कों पर दौड़ाकर मार रहे गोली, कब होगा बुलडोजर एक्शन

प्रयागराज। प्रतापगढ़ जिले के पट्टी में रजिस्ट्री कार्यालय में गोलीबारी में घायल सगे भाइयों अरुण मिश्रा और आदित्य मिश्रा से मिलने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बृहस्पतिवार को एसआरएन अस्पताल पहुंचे। अजय राय ने घायल आदित्य मिश्रा से मुलाकात करने के बाद मीडिया को बताया कि जिस तरह की स्थिति बताई जा रही उससे लग रहा है योगी के संरक्षण में अपराधी खुलेआम लोगों को सड़क पर दौड़ाकर गोली मार रहे हैं। गोली मारने वाला भाजपा का सक्रिय सदस्य और भाजपा का ब्लॉक प्रमुख है। प्रतापगढ़ जिले के पट्टी में रजिस्ट्री कार्यालय में गोलीबारी में घायल सगे भाइयों अरुण मिश्रा और आदित्य मिश्रा से मिलने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बृहस्पतिवार को एसआरएन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बात करते समय एक भाजपा नेता का मोबाइल पर फोटो दिखाकर गोली मारने का आरोप लगाया। कहा कि भाजपा सरकार में खुलेआम सड़कों पर दौड़ाकर गोली मारी जा रही है। गोली मारने वाला भाजपा का नेता है। दो दिन बीत जाने के बाद भी न उसको गिरफ्तार किया गया

है न ही उसके घर पर बुलडोजर चला है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पट्टी के ब्लॉक प्रमुख ने सरेआम रजिस्ट्री आफिस के सामने दौड़ाकर सगे भाइयों को गोली मारी है। दो दिन बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। क्यों बुलडोजर एक्शन नहीं हो रहा है। हमारे आने की सूचना पाकर अस्पताल ने घायल दो भाइयों में से एक का आपरेशन कर उनकी अस्पताल से छुट्टी कर दी। घायल दूसरे भाई से एसआरएन में मुलाकात किया। कहा कि यूपी में पूरी तरह से जंगलराज और माफियाराज चल रहा है। अजय राय ने आरोप लगाया कि भाजपा और सीएम योगी के संरक्षण में भाजपा ने के नेता खुलेआम लोगों को सड़क पर दौड़ा–दौड़ाकर गोली मार रहे हैं। इनके घर पर बुलडोजर कब चलेगा। अब तक न इनका हाफ एनकाउंटर या फुल इनकाउंटर हुआ। सीएम योगी प्रदेश में जंगलराज को बढ़ावा दे रहे हैं। कहा कि जल्द से जल्द आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की जानी चाहिए और जीरो टॉलरेंस के तहत आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

राजकीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती से वंचित होंगे लाखों ओवरएज अभ्यर्थी, आयु सीमा में नहीं मिली छूट

प्रयागराज। सात साल तक एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का इंतजार करते रहे लाखों अभ्यर्थी एक झटके में भर्ती की दौड़ से बाहर हो गए। ओवरएज अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती में शामिल होने के लिए उन्हें अधिकतम आयु सीमा में छूट का लाभ दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सात साल तक एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का इंतजार करते रहे लाखों अभ्यर्थी एक झटके में भर्ती की दौड़ से बाहर हो गए। ओवरएज अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती में शामिल होने के लिए उन्हें अधिकतम आयु सीमा में छूट का लाभ दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने जब 14 जुलाई को भर्ती का संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया तो ओवरएज अभ्यर्थियों की सभी उम्मीदें टूट गईं। संक्षिप्त विज्ञापन में अधिकतम आयु सीमा में कोई छूट नहीं दी गई।

अब 28 जुलाई को भर्ती का विस्तृत विज्ञापन जारी होने वाला है और उसी दिन से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। ओवरएज अभ्यर्थियों को अब भी

उम्मीद है कि विस्तृत विज्ञापन जारी होने तक शासन व आयोग उनके हित में कोई फैसला ले सकते हैं, लेकिन अब इसके आसार भी कम हैं।

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का पिछला विज्ञापन मार्च–2018 में आया था। सात साल बाद नई भर्ती आने वाली है। भर्ती के इंतजार में लाखों अभ्यर्थी ओवरएज हो चुके हैं। अभ्यर्थी अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट चाहते हैं।

प्रतियोगी छात्रा अर्चना ने बताया कि उनकी उम्र 40 वर्ष दो माह हो गई। ऐसे में वह फॉर्म नहीं भर पाएंगी। अगर इस भर्ती का विज्ञापन हर साल नियमित अंतराल में आता तो वह 2019 से अब तक छह बार परीक्षा में शामिल होतीं। अर्चना को यकीन है कि अब तक उनका चयन हो गया होता, लेकिन 2018 के बाद उनके जैसे लाखों अभ्यर्थियों को कोई मौका ही नहीं मिला।

प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे रायबरेली के संदीप कुमार, अनुज कुमार तिवारी, आलोक सिंह, मंजू यादव, सचिन शुक्ला, खुशबू सिंह, झांसी की रमा, चंदन राय गोरखपुर की ज्योति मिश्रा, प्रयागराज के सामंत पांडेय समेत कई अन्य छात्र भी भर्ती के इंतजार में ओवरएज हो चुके हैं और इस बार फॉर्म भरने से वंचित रह जाएंगे। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल की ओर से शीतला प्रसाद ओझा ने मुख्यमंत्री व आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखकर मांग की है कि जिस तरह आरक्षी भर्ती में मानवता के आधार पर अभ्यर्थियों को तीन वर्ष की छूट दी गई, उसी तरह एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती में भी ओवरएज अभ्यर्थियों को पांच साल की छूट दी जाए। इससे लाखों अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

इविवि में तीन साल पहले हुई थी शुरू हो गई थी एनईपी

प्रयागराज। एनईपी को लागू करने की दिशा में इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने पहले ही छह एकीकृत कार्यक्रम (5–वर्षीय बीएएलएलबी, बीटेक–एमटेक, बीएफए आदि) शुरू कर दिए थे। अब दूसरे चरण में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के सभी स्नातक पाठ्यक्रमों को एनईपी के तहत पुनर्गठित किया गया है। एनईपी ढांचे में 150 से अधिक दो–क्रेडिट स्किल और ऐच्छिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसमें हॉकी, बैडमिंटन क्रिकेट जैसे खेल की ट्रेनिंग, कंप्यूटर, एआई, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज, बेकिंग, खाद्य प्रसंस्करण, फैब्रिक पेंटिंग, कढ़ाई, कुकिंग, संगीत, लोक संगीत, विभिन्न वाद्य यंत्र, धर्म शास्त्र, 16 संस्कार, कठोपनिषद, अन्य उपनिषद, कंप्यूटर भाषाएं, क्रिएटिव राइटिंग, काव्य मंचन, व्यक्तित्व विकास एवं पब्लिक स्पीकिंग, भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक व्यक्ति आदि शामिल हैं।

यदि हमें राजनीति में हिस्सेदारी लेनी है तो विभिन्न राजनीतिक दलों की सेवादारी बंद करने होगी: वर्षा गुप्ता

प्रतापगढ़। आज राजधानी लखनऊ स्थित वित्तीय प्रबंध प्रशिक्षण संस्थान आडिटोरियम में राष्ट्रीय भारतीय अखंड पार्टी के तत्वावधान की गई भोजवाल समाज के प्रबुद्ध वर्ग द्वारा राजनीतिक सामाजिक हिस्सेदारी की मांग, भोजबाल समाज की राजनीतिक आर्थिक सामाजिक सुधार वो हिस्सेदारी को लेकर भोजवाल समाज के प्रबुद्ध वर्ग का सम्मेलन वित्तीय प्रबंध संस्थान लखनऊ के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया सम्मेलन में राष्ट्रीय भारतीय अखंड पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्षा गुप्ता महिला प्रकोष्ठ ने मीडिया समक्ष बयान जारी करते हुए कहा यदि हमें राजनीति में हिस्सेदारी लेनी है तो विभिन्न राजनीतिक दलों की सेवादारी बंद करनी होगी गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर बाहर आना होगा एक वैनर तले एकजुट होना होगा विभिन्न राजनीतिक दलों के

पीछे पीछे चलने की आदत छोड़नी होगी आज हमारे समाज के लोग विभिन्न राजनीतिक दलों के झंडा वैनर दरी बिछाने व मंच सजाने में ही अपने जिंदगी का काफी समय बर्बाद कर देते हैं लेकिन आय राजनीतिक दल हर समय इनको उपेक्षा का शिकार बनाते हैं इनके मूल अधिकारों से इन्हें वंचित रखते हैं यदि हमें दम काम दिखाना है तो हमें एक ही वैनर तले आ के अपनी आवाज को मजबूती के साथ उठानी होगी उपेक्षा का शिकार होने के कारण आज 77 वर्ष होने के बावजूद भी भोजवाल समाज की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक दशा जीर्ण शीर्ण खराब हालत में है 77 वर्षों में किसी भी सरकार ने इस जाती के ऊपर कोई विशेष कम नहीं किया जबकि भोजवाल समाज की आबादी प्राचीन काल से बहुतायत में रही है सम्मेलन के आयोजक राष्ट्रीय भारतीय अखंड पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार आजाद भोजवाल ने कहा कि जिस दिन पूरे उत्तर प्रदेश का एक करोड़ भोजवाल समाज अपने हक के लिए एक जगह एकत्रित होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ेगा उस दिन कोई भी सरकार इस समाज को अनदेखा नहीं कर पाएगी उन्होंने कहा शीघ्र ही पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर भोजवाल समाज एकत्रित होकर अपने अधिकारों के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने कार्य करेगा इस कार्यक्रम में पूर्व आई एस रवि शंकर गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष ओ.पी.गुप्ता अखंड पत्रकार वेल्फेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश नागालैंड से राजीव भोजवल विहार सेविनोद विद्यार्थी दिल्ली से पंकज गुप्ता भोजवाल उत्तराखंड से सिनेश चंद्रा जनवेद भोजवाल शिवनाथ भोजवाल राजकिशोर भोजवाल डाक्टर मनोहर भोजवाल आदि ने सहभाग किया प्रदेश सहित लगभग आठ राज्यों के प्रबुद्ध वर्ग के लोग सम्मिलित हुए।

नागपंचमी पर 29 को भयहरण नाथ धाम में घुघुरी लोक उत्सव से जीवंत होगी लोक परम्परा

मंगलवार मेला के नाते 2 घंटे लेट होगा
घुघुरी लोक उत्सव का आयोजन
2 किमी तेज दौड़ प्रतियोगिता, गुड़िया गुड्डा व फुल झड़ी प्रतियोगिता का होगा आयोजन
लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ
कवि सम्मेलन का होगा भव्य आयोजन
एस पी प्रतापगढ़ सहित ३ विशिष्ट व्यक्तियों को मिलेगा प्रतापगढ़ गौरव सम्मान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में प्रति वर्ष की भाँति घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की देखरेख में होगा। जिला सूचना कार्यालय व नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के सहयोग व भागीदारी से आयोजित इस घुघुरी उत्सव को मंगलवार मेला के दृष्टिगत 29 जुलाई नागपंचमी को अपराह्न 2 बजे के बजाय शाम 4 बजे से सामूहिक पूजन से शुरू होंगे।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की घुघुरी लोक उत्सव में विविध लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। आल्हा, कजरी, सावनी गीत के आयोजन होंगे। 2 किमी तेज दौड़ प्रतियोगिता, गुड्डा गुड़िया व फूल झड़ी प्रतियोगिता के आयोजन होंगे और प्रशस्ति पत्र व पुरष्कार देकर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध लोक गायिक प्रतिमा मिश्रा का लोक गायन होगा। साहित्य भूषण सम्मान से बिभूषित जन कवि प्रकाश की 54 वी कृत इमरजेंसी को धाम को समर्पित किया जायेगा। इस अवसर पर विराट कवि सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमे ठाकुर इलाहाबादी, नजर पांडेय, डॉ निलिमा मिश्रा, निर्झर प्रतापगढी, शिवम भगवती, प्रशांत भरुहिया, डॉ अशोक अग्रहरि, रेनू मिश्रा, अमर नाथ बेजोड़, प्रभात पांडेय, आलोक बैरागी, राज कुमार विश्वकर्मा , आभा मिश्रा, सौरभ सिंह, राहुल यादव आदि प्रतिभाग करेंगे। समाज शेखर ने बताया की प्रति वर्ष की भाँति उत्कृष्ट कार्य हेतु पूर्व एम एल सी व बीजेपी प्रयागराज की अध्यक्ष निर्मला पासवान सहित 5 महिलाओ को गुड़िया सम्मान दिया जायेगा। क्षेत्र व समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को महान क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से बिभूषित किया जायेगा।

उन्होंने बताया की प्रति वर्ष की भाँति प्रतापगढ़ गौरव आयोजन समिति द्वारा पूर्व जिलाधिकारी आर एस वर्मा की अध्यक्षता में जनपद के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने वाले जनपद के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सहित पूर्व आई ए एस श्री अनुराग पटेल व आई पी एस श्री राम प्रताप सिंह को प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। इस अवसर पर वन विभाग व लोक भारती प्रतापगढ़ के सहयोग से पौध रोपण भी होगा। स्थानीय आयोजन की प्रमुख जिम्मेदारी नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के मार्गदर्शन में अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के संयोजन में कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व नगर पंचायत प्रतिनिधि मुकेश सिंह की देखरेख में प्रबन्ध समिति व मंदिर मेला समितियाँ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार द्वारा ऋषि पराशर के भूमि पारनेर, महाराष्ट्र में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजन

आठ दिवसीय नवलेखक में हिंदी साहित्य के विविध विधाओं के साथ लघु भारत का दर्शन

नवलेख शिविर में असम के छः प्रशिक्षार्थी संतोष कुमार महतो, अनुप शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, सैयदा आनोवारा खातुन, मौसमी कुमारी राय और नाजिर अहमद द्वारा असम का जातीय संगीत 'अ मोर आपोनारा देश' का प्रस्तुति

पारनेर, अहिल्यानगर। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग , शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार और न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पारनेर , अहिल्यानगर, महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में आठ दिवसीय हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजन किया गया। तीसरे दिन (कल) के प्रथम सत्र का शुभारंभ असम राज्य विश्वनाथ जिले के छः शिविरार्थी व हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो, अनुप शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, सैयदा आनोवारा खातुन , मौसमी कुमारी राय और नाजिर अहमद द्वारा असम का जातीय संगीत ष्अ मोर आपोनारा देशष का प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद सभी तालियों गड़गड़ाहट से जातीय संगीत का स्वागत किया ध। उपस्थिति अतिथि ने इस संगीत को सुनकर की भावविभोर हो उठे और इसका भावार्थ पूछा।हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो ने जातीय संगीत का तात्पर्य सभी के समक्ष रखा। इसके बाद सत्र शुरू हुआ जिसमें स्थानीय विद्वान प्रो. डॉ. सताप्पा चव्हाण ने ब्लॉग लेखक शैली पर प्रकाश डाले। पुणे के वरिष्ठ साहित्यकार व आकाशवाणी केंद्र से सेवानिवृत्त डॉ. सुनिल देवधर ने आज के दूसरे सत्र में भाषा तथा साहित्य पर व्याख्यान दिए। तत्पश्चात् भोजन अवकाश के बाद तृतीय सत्र शुरू हुआ जिसमें स्थानीय विद्वान प्रो. डॉ. ईश्वर पंवार ने संवाद शैली और फिल्म लेखन पर प्रशिक्षित किए। प्रथम दिन कार्यक्रम के सुत्रधर हिंदी विभागाध्यक्ष एवं शिविर संयोजक प्रो. डॉ. विजय कुमार रावत ने डॉ.ए.पी. जे अब्दुल कलाम सभागृह में आयोजित उद्घाटन समारोह में आगत अतिथियों तथा शिविरार्थियों के भव्य स्वागत अपने स्वागत संबोधन से किया। छात्रा प्रतिक्षा लोनकर द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत ने मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से शिबिर का शुभारंभ किया गया।कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंगनाथ आहेर के अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह में मंचासीन अतिथियों को गुलदस्ता और शोल से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रचारक समाज के सदस्य डॉ. अर्जुनराव पोकले प्रमुख अतिथि क रूप में और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक तथा शिबिर प्रभारी डॉ. शालिनी राजवंशी के विशेष सान्निध्य रहा ध।शिविर में अखिल भारतीय मार्गदर्शक के रूप में जम्मू से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. भारत भूषण शर्मा,मध्यप्रदेश से डॉ. विनोद विश्वकर्मा, पुणे से डॉ. अहमद मोहम्मद शेख, संस्थान के उप प्राचार्य प्रो. डॉ. तुकाराम थोपटे सहित कई प्रतिष्ठित विद्वानों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. अर्जुनराव पोकले ने कहा, ष्अन्य भाषाओं के अच्छे और उत्कृष्ट साहित्य का अपनी भाषा में अनुवाद करके अपनी भाषा को समृद्ध बनाया जा सकता है। साहित्य के माध्यम से समाज की बदलती परिस्थितियों का चित्रण होता है। साहित्य समाज का दर्पण है। लेखन आसान है। लेकिन इसके लिए पढ़ने, अवलोकन और विश्लेषण करने की क्षमता होनी चाहिए।

इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर से डॉ. भारत भूषण शर्मा ने कहा– ष्यह शिविर आपकी प्रतिभा को जगाने का काम करेगा। यहाँ विभिन्न साहित्यिक विधाओं के सृजन की प्रक्रिया को समझा जा सकेगा।ष केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक तथा शिविर प्रभारी डॉ. शालिनी राजवंशी ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय की कार्यप्रणाली और गतिविधियों के बारे में बताया।उन्होंने निदेशालय का परिचय देते हुए नव लेखक शिविर, विद्यार्थी अनुदान योजना, पुस्तक प्रकाशन योजना, शब्दकोश निर्माण, बहुभाषी शब्दकोश आदि के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम का अध्यक्ष कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंगनाथ आहेर ने कहा, ष्भाषा संचार का एक माध्यम है। जब सामाजिक परिवर्तन होता है, तो साहित्य का स्वरूप भी बदल जाता है। लेखक अपने साहित्य के माध्यम से ग्रामीण और शहरी जीवन शैली के विभिन्न मुद्दों को चित्रित करते हैं। यह शिविर निश्चित रूप से अगले आठ दिनों में नए लेखकों को साहित्य सृजन के लिए प्रेरित करेगा।ष

अंत में हिंदी विभागाध्यक्ष तथा शिविर संयोजक ने प्रोफ़ेसर विजय कुमार राऊत ने कहा– यह शिविर हिंदीतर भाषी क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार और इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण हिंदी साहित्य सृजन के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इसमें हिंदी साहित्य में कहानी, उपन्यास, कविता, नाटक, रेखाचित्र, यात्रा–वृत्तांत आदि साहित्यिक विधाओं की रचना प्रक्रिया पर गहन मार्गदर्शन दिया जाएगा। नवलेखकों को उनसे व्यावहारिक कार्य भी कराया जाएगा।

इस मौके में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य प्रो. तुकाराम थोपटे, संकाय समन्वयक प्रो. दिपक सोनटक्के, छात्र विकास अधिकारी प्रो. रवींद्र देशमुख, कला शाखा प्रमुख डॉ. रघुनाथ नजन, वाणिज्य शाखा प्रमुख डॉ. युवराज वाघेरे, विज्ञान शाखा विभागाध्यक्ष डॉ. सुखदेव कदम, मराठी विभागाध्यक्ष डॉ. हरेश शेलके, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष अशोक मोरे, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. गावित, राजनीति विभागाध्यक्ष प्रो. नितिन निपुंगे, प्रो. अशोक घोरपड़े, प्रो. हनुमंत गायकवाड़, आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रमुख प्रो. दत्तात्रय घुंगरडे आदि की उपस्थिति रही।इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्राध्यापिका शुभदा अराडे ने किया।कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग के प्राध्यापिका प्रतिक्षा तनपुरे ने आभार प्रकट करते हुए उद्घाटन समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सरकारी पाठशालाओं को बंद करने के विरुद्ध समाजवादी महिला सभा का धरना प्रदर्शन

समाजवादी महिला सभा ने शिक्षा विरोधी कदम बताते हुए सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। भाजपा सरकार द्वारा छात्रों की कमी बताते हुए हजारों सरकारी स्कूलों को बंद करने के निर्णय के विरुद्ध समाजवादी महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के प्रदेश व्यापी आह्वान पर समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं द्वारा सपा कार्यालय से महावीर चौक प्रकाश चौक होते हुए कचहरी तक जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया गया। मुख्यालय पर धरने को संबोधित करते हुए समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार की पूरी मंशा गरीब दलित पिछड़े अल्पसंख्यक बच्चों को सरकारी पाठशालाओं से शिक्षा से वंचित कर निजी महंगे स्कूलों का शिक्षा पर कब्जा कराने का है।इसी साजिश से सरकारी पाठशालाओं को भाजपा सरकार बंद करके गरीबों को शिक्षा से विमुख करना चाहती है। जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी ने कहा कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हमेशा पढ़ाई व चिकित्सा को फ्री करने के लिए कार्य किए लेकिन भाजपा सरकार विद्यालयों को बंद कर निजी कंपनियों को सरकारी पाठशालाएं बेचना चाहती है।उन्होंने निर्णय को तानाशाही शिक्षा विरोधी बताते हुए रोकने की मांग की।

समाजवादी महिला सभा प्रदेश सचिव अनिता कश्यप महानगर अध्यक्ष हिमानी सिंह ने संबोधन में कहा कि हजारों सरकारी स्कूलों को बंद करने के भाजपा सरकार के निर्णय से हजारों रसोई माताओं की नौकरी पर संकट आ गया है जो महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबी अभियान पर कुठाराघात है।उन्होंने सरकारी स्कूलों को बंद करने के भाजपा सरकार के निर्णय को शिक्षा विरोधी बताते हुए बदलने की मांग की। सैकड़ों महिला पदाधिकारियों द्वारा जोरदार नारेबाजी के साथ राज्यपाल महोदया के नाम जिलाधिकारी के द्वारा ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान समाजवादी महिला सभा प्रदेश सचिव अनिता कश्यप समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अंबेडकर,महानगर अध्यक्ष महिला सभा हिमानी सिंह,वकीला बेगम,ऋतु देवी,ममता देवी,सुषमा पाल,राजकुमारी सैनी,सोनिया सैनी,सुमन सेन, काजल कुमारी, सुशीला,निशा कात्यान, पिंकी सैनी, पार्वती यादव, शीशा कोरी,संतोष सैनी पिंकी कश्यप तथा सपा नेता श्यामलाल बच्ची सैनी,साजिद हसन,दर्शन सिंह धनगर, डॉ नरेश विश्वकर्मा, डॉ इसरार अल्वी,सलमान त्यागी, नदीम मलिक, नावेद रंगरेज, सादिक एडवोकेट सहित सैकड़ों महिला पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रही।

शहीद शिरोमणि पं. चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती पर श्रद्धा–सुमन अर्पण कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। आज भारत माता के सच्चे सपूत, वीर शिरोमणी, महान क्रान्तिकारी पं० चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती पर राष्ट्रीय पर्व आयोजन समिति के संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष इं० एच० एन० सिंह, मुख्य अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पर्व आयोजन समिति, उ० प्र० द्वारा मैजिक डांस एकेडमी, मुज़फ्फरनगर पर शहीद चन्द्रशेखर आजाद को स्मरित करते हुए भावपूर्ण श्रद्धा–सुमन अर्पित हुए उनकी जयन्ती मनाई गई। कोरियोग्राफर विशा के मुख्य संयोजन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका परिषद, मुज़फ्फरनगर के सभासद अमित पटपटिया ने व संचालन इन्जीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने किया। वरिष्ठ समाजसेवी अजय अनेजा, गायक मदन लाल ढींगरा, पूर्व कानूनगो प्रवीण कुमार, गायक महेंद्र रावत, अन्जू अरोरा, आदि ने श्रद्धा–सुमन अर्पित किए जबकि मैजिक डांस एकेडमी के यशस्वी, कायरा, मीताक्षी, काव्या आदि बच्चों ने देश भक्ति के गानों पर नृत्य की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर गंगोत्री धाम से पवित्र गंगा जल लाने पर कोरियोग्राफर मोहन अरोरा को सम्मानित किया गया।

चन्द्रकरण आम

(कुण्डलिया)

केरल का यह आम है, चन्द्रकरण है नाम।
छिलका पतला है नहीं, वज़न डेढ़ सौ ग्राम।
वज़न डेढ़ सौ ग्राम, स्वाद में सबको भाया।
छोटा दिखे शरीर, मगर है अद्भुत माया।
सुन लो कहें प्रदीप, न कहना इसको निर्बल।
रस का है भंडार, बताते वासी केरल।।

शुगर मरीजों के लिए, है मुफ़ीद यह आम।
दिखे चन्द्रमा की तरह,चन्द्रकरण है नाम।
चन्द्रकरण है नाम, स्वाद है खट्टा–मीठा।
गूदा रेशेदार, रसीला खुशबू वाला।
सुन लो कहें प्रदीप,आम यह दिनभर खाओ।
रहे हाज़मा ठीक, समझ लो शुगर मरीजों।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विद्यालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

मथुरा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से गुरुवार विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत खंड विकास अधिकारी नेहा रावत, थानाध्यक्ष बलदेव रंजना सचान द्वारा विभिन्न फलदार और छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्यालय परिसर को हरित बनाना था, बल्कि छात्रों, अभिभावकों और स्टाफ में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता भी पैदा करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी नेहा रावत, ब्लॉक प्रमुख बलदेव प्रतीक भरंगर एवं थानाध्यक्ष बलदेव रंजना सचान द्वारा सामूहिक रूप से मां सरस्वती

के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने प्रदूषित पर्यावरण के खतरों से आगाह करते हुए वृक्षारोपण करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र छात्रा को कम से कम एक वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि वृक्षारोपण द्वारा ही प्रदूषित पर्यावरण से समाज को बचाया जा सकता है। आज लोग अपने भौतिक सुख एवं अल्प लाभ के लिए वृक्षों की अंधाधुंध कटाई कर रहे हैं जिसके भयावह परिणाम हम सबको देखने को मिल रहे हैं। थानाध्यक्ष बलदेव रंजना सचान ने कहा कि विद्यालय में उपस्थित सभी जन आज एक एक पौधा लगाकर उसको पुष्पित व पल्लवित करने का संकल्प अवश्य लें।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ जगदीश पाठक ने वृक्षों की रक्षा एवं उनके रख रखाव पर जोर देते हुए कहा कि आज वृक्ष तो काफी लोग लगाते हैं किन्तु बिना किसी संरक्षण के अभाव में सूख जाते हैं अतः आज आवश्यकता है वृक्षों का रख रखाव किया जाए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय में लगे नए सीसीटीवी कैमरों का फीता काटकर सामूहिक रूप से उदघाटन किया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान ओम प्रकाश, शिवा उपाध्याय, अनुज उपमन्यु, बिंदू शर्मा, गीता सक्सेना, डॉ ममता रानी, अचल कुमार, प्रेमचंद, आकाश कुमार, पूजा, डॉ जगदीश पाठक आदि की उपस्थिति मुख्य रही। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ जगदीश पाठक द्वारा किया गया।

सम्पादकीय.....

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति–पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति–पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति–पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति–पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर–कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति–पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अतरू इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के असल कारण मोदी है तो मुमकिन है

डॉ. दीपक पाचपोर

जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने पत्र में कहा, सेहत की देखभाल को महत्व देने और डॉक्टरी सलाह का पालन करने के लिए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 67(ए) में प्रावधान है।

मोदी है तो मुमकिन है, यह भाजपा का केवल चुनावी या सियासी जुमला नहीं है, बल्कि भाजपा इसे भारत की हकीकत बनाने पर तुली है। इसका शर्मनाक उदाहरण सोमवार को संसद का मानसून सत्र शुरु होते ही नजर आया। जिसमें राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के आसंदी पर होने की पूरी तरह उपेक्षा करते हुए भाजपा अध्यक्ष और सांसद जे पी नड्डा ने विपक्ष को कहा कि आप लोग जो बोलेंगे वो रिकॉर्ड में नहीं जाएगा (नथिंग विल गो ऑन रिकार्ड) केवल मैं जो बोलूंगा वो ही रिकॉर्ड में जाएगा। यह आपको मालूम होना चाहिए। जिस तरह से श्री नड्डा ने आसंदी के अधिकार और सम्मान दोनों का हनन किया, वह अपने आप में अनोखा है। इसी राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने पिछले कार्यकाल में कई सांसदों को निलंबित कर दिया था, लेकिन श्री नड्डा के खिलाफ क्या इस अनुशासनहीनता पर कोई कार्रवाई होगी, अब यह सवाल ही बेमानी है। क्योंकि मोदी शासनकाल में संवैधानिक तकाजों और मर्यादाओं को तार–तार किया जा रहा है, यह उसका ही एक प्रमाण है, मोदी के होने पर सब कुछ मुमकिन होने का प्रदर्शन है। बहरहाल, राज्यसभा में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे के इस घटनाक्रम के बाद भी पूरा दिन सामान्य तरीके से ही बीता, लेकिन रात को अचानक खबर आई कि भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया। इस खबर से राजनैतिक गलियारों में हलचल मच गई। जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने पत्र में कहा, सेहत की देखभाल को महत्व देने और डॉक्टरी सलाह का पालन करने के लिए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 67(ए) में प्रावधान है। इसके आगे उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत सबका आभार जताया। गौरतलब है कि श्री धनखड़ मार्च में ही हृदय रोग संबंधी बीमारी से पीड़ित हुए थे, उनका इलाज भी चला था। लेकिन इसके बाद वे जल्द ही सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आने लगे थे। वैसे भी इस्तीफे के इस कारण पर भरोसा नहीं किया जा रहा है, क्योंकि अगर ऐसी कोई बात थी तो फिर संसद का मानसून सत्र शुरु होने से पहले ही उन्होंने इस्तीफा क्यों नहीं दिया। क्यों सत्र शुरु होने के साथ ही उन्हें स्वास्थ्य की चिंता हुई। इस इस्तीफे के वक्त और हालात दोनों संदिग्ध हैं। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जब इस्तीफे की खबर लगते ही विपक्ष की तरफ से प्रतिक्रियाएं आने लगीं और श्री धनखड़ के स्वास्थ्य लाभ की कामना की जाने लगी। तब न राष्ट्रपति महोदया ने न भाजपा के किसी नेता ने इस पर कुछ कहा। कम से कम उनके स्वास्थ्य की चिंता पर ही दो शब्द कहे जा सकते थे। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि राष्ट्रपति मुर्मू भी प्रधानमंत्री की हरी झंडी का इंतजार करती हैं। श्री मोदी ने पूरे 12 घंटे बाद इस इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी कि श्री जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित विभिन्न क्षमताओं में हमारे देश की सेवा करने के कई अवसर मिले हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। श्री मोदी की प्रतिक्रिया में साफ तौर पर यह झलका दिया गया है कि जगदीप धनखड़ को कई मौके दिए गए और अब आगे नहीं मिलेंगे। यानी राष्ट्रपति बनने की कोई उम्मीद उनके सामने नहीं है। इस प्रतिक्रिया का सीधा सा अर्थ यह भी है कि अब जगदीप धनखड़ को इस्तीफे पर पुनर्विचार करने भी नहीं कहा जाएगा। इसका एक मतलब है कि श्री धनखड़ से इस्तीफा लिया गया और इसकी तैयारी शायद कई दिनों से चल रही थीं। ऐसा नहीं है कि जगदीप धनखड़ ने अपनी तरफ से भाजपा की सेवा में कोई कसर छोड़ी हो। जब वे प.बंगाल के राज्यपाल थे, तब भी टीएमसी के लिए उनका व्यवहार भाजपा वाला ही था। और जब वे उपराष्ट्रपति बनाए गए और राज्यसभा में सभापति बने, तब भी अपनी चाटुकारिता के प्रदर्शन में उन्होंने कोई कमी नहीं छोड़ी। श्री मोदी के आने पर खड़े होना, उन्हें झुक कर नमस्कार करना यह सब तो व्यावहारिक तौर पर उन्होंने दिखाया, इसके अलावा राज्यसभा में भी वे खुलकर भाजपा के साथ खड़े दिखते रहे, ठीक वैसे ही जैसे ओम बिड़ला लोकसभा में नजर आते हैं। मगर सोमवार को राज्यसभा में श्री धनखड़ का रुख थोड़ा अलग था, उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष और सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ट्रंप सीजफायर विवाद पर बोलने दिया। जबकि भाजपा इस पर रोक लगाए बैठी थी। शायद यह एक बड़ी तात्कालिक वजह बनी कि जगदीप धनखड़ को एक दिन भी और रुकने की मोहलत नहीं दी गई। उन्हें रात गुजरने से पहले ही इस्तीफा देने कहा गया होगा, तभी जो काम मंगलवार को हो सकता था, वह सोमवार रात ही हो गया। ऐसा करके संभवतरू नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने भाजपा के उन बाकी नेताओं को चेतावनी दे दी है कि अगर उनके किसी फैसले से इस जोड़ी को असुविधा होगी, तो उनका हश्र भी यही होगा। बहरहाल, अब इस इस्तीफे के बाद तमाम कयास लग रहे हैं कि अब उपराष्ट्रपति की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाएगी। क्या नीतीश कुमार को इस पद पर बिठाकर बिहार के लिए कोई बड़ा खेल भाजपा रचेगी। क्या जे पी नड्डा को यह जिम्मा सौंपा जाएगा, ताकि वे आसंदी पर बैठकर कह सकें नथिंग विल गो ऑन रिकार्ड। आगे क्या होगा, यह तो शायद श्री मोदी के इस विदेश दौरे के बाद पता चले। लेकिन सोमवार के इस घटनाक्रम ने जाहिर कर दिया कि देश में अब न संविधान सुरक्षित है, न संवैधानिक पदों की मर्यादा का कोई ख्याल बाकी है। राजनाथ सिंह ने कहा था कि एनडीए में इस्तीफे का कोई चलन नहीं है, श्री धनखड़ के इस्तीफे ने उस चलन को चला दिया है। अब देखना होगा कि आगे और किन–किन नेताओं या मंत्रियों से ऐसी ही कुर्बानी ली जाती है ताकि सत्ता बची रहे। बाकी शिवसेना सांसद संजय राउत का कहना है कि सितंबर का इंतजार कीजिए, कुछ बड़ा होने वाला है।

क्या धनखड़ परेशानी पैदा कर रहे थे

अरविन्द मोहन

उप राष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ की विदाई जितनी अचानक और निजी दिखाई देती है वह उतनी लगती नहीं। जी हां, यह बीमारी और निजी कारण से हुआ इस्तीफा नहीं लगता, यह दबाव में लिया गया इस्तीफा लगता है। और उनके इस बड़े पद से हटने की अनुगूंज अभी

केंद्र, एनडीए और भाजपा की राजनीति में देर तक सुनाई देगी। तत्काल तो यही दिखा रहा है कि भाजपा की तरफ से कुछ नहीं कहा गया लेकिन विपक्ष उस धनखड़ साहब को अपने इस्तीफे पर पुनर्विचार के लिए कह रहा है जिनसे उसका रिश्ता छत्तीस का ही रहा है। अब विपक्ष उनकी तारीफ के कसीदे भी काढ़ रहा है। सत्ता पक्ष का हाल तो यह है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले तो उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, के मुंह पर उनके लिए अपमानजनक टिप्पणी करते रहे और शाम को हुई सर्वदलीय बैठक में निजी काम के बहाने आए भी नहीं। आज सरकार तथा भाजपा जिस तरह चल रही है उसमें नड्डा जी भले ही कामचलाऊ अध्यक्ष हैं लेकिन वे पर्याप्त ताकतवर हैं क्योंकि असली सत्ता वालों का विश्वास उनको हासिल है। यह अलग बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अभी भी मुगालता है कि असली सत्ता उसके हाथ में है और नड्डा ने अगर लोक सभा चुनाव के समय उनका अपमान किया था तो वह उनकी विदाई करा देगा। इस्तीफे वाले दिन अर्थात 21 जुलाई को तीसरे पहर तक उपराष्ट्रपति का काम और व्यवहार यही दिखाता है कि सब कुछ सामान्य था। उनके दफ्तर से उनके जयपुर के कार्यक्रम की विज्ञप्ति भी जारी हुई जो एक दिन बाद होनी थी। उनका स्वास्थ्य खराब था और उनको किमाऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में चक्कर आए थे। लेकिन यह मार्च की बात थी। अभी हफ्ता भर पहले वे जेनयू के कार्यक्रम में तारीख बताकर यह कह रहे थे कि वे 10 अगस्त 2027 को पद से मुक्त होंगे–बीच में ईश्वरीय दखल न हो तब। जिस तरह के वे नेता थे उसमें उनके बयान और काम कई बार सरकार के लिए परेशानी का कारण भी बनाते रहे थे। न्यायपालिका को लेकर की गई उनकी टिप्पणियों और संवैधानिक पद पर रहते हुए संविधान के सेकुलर और सोशलिष्ट शब्द पर उनकी टिप्पणी किसी को भी अखर सकती थी। पश्चिम बंगाल का राज्यपाल रहते हुए भी उनके कई काम और कमेन्ट इसी श्रेणी के थे। हर कोई मानता था कि संघ की पृष्टभूमि न होने के चलते वे सत्ता के गलियारे में ऊंचा आसान पाने के लिए यह सब करते है। जब तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान चुनाव में भाजपा को जाट वोटों की जरूरत थी, उनका प्रोमोशन भी होता गया और उनके ऐसे बयानों–कामों को बर्दाश्त ही नहीं किया गया, उनका गुण माना गया। इसलिए उनके इस्तीफा में नैतिकता का अंश ढूंढना तो बेवकूफी होगी। चुनावी जरूरत खत्म या काम होने के बाद अपनी सत्ता और महत्व को बढ़ाने की उनकी कोशिशें सरकार के कर्ता–धर्ता लोगों को भी चुभती होंगी। जेपी नड्डा का सदन में दिया बयान उसकी झलक पेश करता है। यह बयान धनखड़ जी के सिर्फ पहले के बयानों के आधार पर नहीं आया होगा। 21 जुलाई को जब लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का नोटिस सभी दलों के सांसदों ने दिया क्योंकि सरकार इसे सर्वसम्मत मामला बनाना चाहती है। राज्य सभा में सभापति ने सिर्फ विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इससे पहले वही सभापति थे जब इलाहाबाद के जस्टिस यादव द्वारा विश्व हिन्दू परिषद के आयोजन में दिए विवादास्पद बयान पर विपक्षी प्रस्ताव उन्होंने नहीं माना था जबकि उस पर जरूरी संख्या से ज्यादा सदस्यों के दस्तखत थे। मामला इन दोनों की तुलना का नहीं है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में अब जो संसदीय समिति बनेगी उसमें राज्य सभा वाले तीन सदस्यों का चुनाव सभापति के विवेक से होगा। अब अगर सभापति ने मोशन को स्वीकार करने में सरकार से अलग लाइन ली तो चुनाव में सरकार की मानेंगे इसमें नड्डा जी समेत सबको शक होगा। और इस व्यवहार में ही अचानक विपक्षी दलों द्वारा धनखड़ की तारीफ का रहस्य छुपा लगता है। अब इस मामले को यहीं छोड़ें क्योंकि बात सिर्फ इतनी नहीं हो सकती। कुछ और भी संकेत मिले होंगे और धनखड़ साहब को भी अपने मान–सम्मान के प्रतिकूल कुछ और बातें लगी होंगी। उनकी विदाई के बाद सरकार, एनडीए और भाजपा का संकट जरूर कुछ बढ़ गया है। अभी तक उसे सिर्फ अध्यक्ष चुनने में परेशानी हो रही थी क्योंकि आरएसएस अपनी चलाने पर अड़ा हुआ है। वह नड्डा को निपटाने के साथ योगीजी के साथ हुए अन्याय का इलाज भी चाहता है। लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के ज्यादातर टिकट योगी की मर्जी से उलट दिए गए थे। हम देख चुके हैं कि भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के लिए यह काम कितना मुश्किल हो गया है। और आग में घी डालते हुए खुद मोहन भागवत पचहत्तर की उम्र सीमा पर वानप्रस्थ या वैराग्य की बहस छेड़कर प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधे हुए हैं। अब एक नया उपराष्ट्रपति चुनने का सिरदर्द इस सारी परेशानी को कई गुना करेगा। इसमें भी खास बात यह है कि लोक सभा और राज्यसभा, दोनों में भाजपा को सहयोगी दलों पर निर्भर रहना है। उनकी नाराजगी के बाद अपना उम्मीदवार जिताना मुश्किल होगा। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को दो बार से ऐसी आदत पड़ी हुई है कि वह विपक्ष की ही नहीं पार्टी और सहयोगी दलों की भी कम ही परवाह करता है। लोक सभा चुनाव के बाद जब बहुमत न होने पर तेलगु देशम पार्टी और जदयू समेत अन्य विपक्षी दलों का सहयोग सुनिश्चित होते ही इस नेतृत्व ने दन से एनडीए संसदीय दल कई बैठक बुलाकर नरेंद्र मोदी को नेता घोषित कर दिया।

अरे रामा आये गयो है सावन

अरे रामा आये गयो है सावन जिया मेरा डरपे रे हारी
दादर मोर पपीहा बोले कवियो के मन मे रस घोले
अरे रामा टपक रहा मेरा छाजन जिया मेरा डरपे रे हारी
तीजा आई गुडिया आई महंगाई भी साथ मे ला ई
अरे रामा विसर गयो है गायन जिया मेरा डरपे रे हारी
गंग जमुन बढ चल उतरा ई गैलियन मे है नाव चला ई
अरे रामाराह भयो फिसलावन जिया मेरा डरपे रे हारी
छोडो ये सब दुःख कीबाते मौसम के संग नाचे गाये
अरे रामा मनभावन है सावन जिया मेरा हुलसे रे हारी
अरे रामा जिया मेरा डरपे रे हारी

मीरा सिन्हा
प्रयागराज

सर्वाधिक कटुतापूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा बिहार

कल्याणी शंकर

इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बिहार में राजनीति गरमा रही है। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दल इसकी तैयारी में जुटे हैं और आखिरी क्षणों में किसी भी तरह की अड़चन से बचने के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया जल्दी शुरू कर दी है। यह चुनाव जीत के लिए एक कड़ा मुकाबला होगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुफ्त बिजली समेत कई लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की है। 1 अगस्त से बिहार के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी, जिससे लगभग 1.67 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। ये योजनाएं न केवल राजनीतिक रणनीतियां हैं, बल्कि मतदाताओं के रूझान में संभावित बदलाव लाने वाली भी हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी चुनाव जीतने पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वायदा किया है, साथ ही मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त बिजली देने की आलोचना की है। बिहार की राजनीति में तीन मुख्य दलों का दबदबा हैरू राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू), जिनके अपने–अपने वफादार मतदाता हैं। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस पार्टी और वामपंथी दल शामिल हैं, जिसके अध्यक्ष तेजस्वी यादव हैं। 2020 के नतीजों से पता चलता है कि राजद 23.11प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर सभी दलों से आगे था। भाजपा 19.4 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसकी गठबंधन सहयोगी जद (यू) 15.39 प्रतिशत वोट के साथ तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस को केवल 9.4 प्रतिशत और वामपंथी दलों को 4.64 प्रतिशत वोट मिले। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का लक्ष्य कुशवाहा, धानुक और मल्लाह सहित अन्य जातियों तक पहुंच बनाकर अपने मुस्लिम और यादव मतदाता आधार का विस्तार करना है। राजद गैर–पासवान और गैर–मांझी दलित मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के साथ सहयोग कर रही है। सत्ता विरोधी लहर के कारण, एनडीए को 2025 के चुनाव में 2020 की तुलना में अधिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, नीतीश कुमार अपनी लोकप्रियता काफी कम कर चुके हैं और स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझ रहे हैं। भाकपा (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन का लक्ष्य इंडिया गठबंधन के भीतर हाशिए पर पड़े मजदूर वर्ग के मतदाताओं का समर्थन करना है। साथ ही, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी युवा, जाति–निरपेक्ष मतदाताओं को लक्षित करती है। लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार जैसे नेताओं को चुनौती देने के लिए नई पार्टियां भी उभर रही हैं। अपने चुनावी वायदों को जारी रखते हुए, नीतीश कुमार छतों और सार्वजनिक स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की भी योजना बना रहे हैं। इसका उद्देश्य 10,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करना है। 16 जुलाई को, मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को शिक्षकों के रिक्त पदों की पहचान करने और 1,20,000 से अधिक इच्छुक शिक्षकों के लिए शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)–4 में तेजी लाने का निर्देश दिया। 8 जुलाई को, नीतीश सरकार ने सरकारी नौकरियों और स्थायी निवासियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत कोटा लागू किया, जिससे लैंगिक समानता और महिलाओं के लिए कार्यबल के अवसरों को बढ़ावा मिला। नौकरियां मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा हैं। बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरियां सृजित करने की योजना को मंजूरी दी है, और राज्य के उज्जवल भविष्य का वायदा किया गया है। नीतीश कुमार ने एक्स पर घोषणा की, श्मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे राज्य में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है, तथा लगभग 39 लाख को रोजगार मिला है। हमारा लक्ष्य 50 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करना है। सात निश्चय कार्यक्रम के माध्यम से, हम अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने वालों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, और हम अगले पांच वर्षों में इन प्रयासों का विस्तार करने की योजना बना रहे है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना को अपराध की राजधानी करार दिया। बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर कहा कि एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता का ध्यान भटकाने के लिए घोषणाएं कर रहे हैं। अन्य विपक्षी दलों ने भी इस कदम की आलोचना की। नीतीश इन लाभों की घोषणा क्यों कर रहे हैं? 2025 के चुनाव बिहार में कांटे की टक्कर वाले होने की उम्मीद है, और 20 साल से ज्यादा समय से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार दसवीं बार सत्ता में आने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। यह चुनाव बिहार में उनका आखिरी चुनाव हो सकता है। एक ओर, यह स्थिति नीतीश के लिए फायदेमंद हो सकती हैय तो दूसरी ओर, सत्ता में उनके 20 साल मतदाताओं को काफी निराश कर सकते हैं। उनका समर्थन कर रही भाजपा नीतीश को एनडीए के नेता के रूप में पेश कर रही है। 2020 के चुनावों में, जदयू को केवल 43 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 74 सीटें मिलीं, जिसके कारण नीतीश को मुख्यमंत्री पद देने का फैसला किया गया। नीतीश को बिगड़ती कानून–व्यवस्था, सरकारी योजनाओं, खासकर शराबबंदी के खराब क्रियान्वयन और शिक्षा के निम्न स्तर के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा शिक्षकों के रिक्त पद और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे भी मुद्दे हैं। इन मुद्दों ने नीतीश की लोकप्रियता को प्रभावित किया है। 74 साल की उम्र में भी, नीतीश कुमार अपनी स्वास्थ्य चुनौतियों और जेडी(यू) के खराब प्रदर्शन के बावजूद, बिहार की राजनीति में एक अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्हें महादलितों, कुर्मियों, कोइरियों और अन्य पिछड़े वर्गों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। जेडी(यू) को भाजपा के साथ गठबंधन करने पर उच्च जातियों और गैर–यादव ओबीसी का समर्थन मिलता है, लेकिन अकेले चुनाव लड़ने पर उसे उच्च जातियों का समर्थन नहीं मिलता, जैसा कि 2014 के चुनावों में देखा गया था। विपक्ष राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तरह बिहार चुनावों में भी भाजपा द्वारा वोटों की लूट की चेतावनी दी है। चुनाव से तीन महीने पहले ही राजनीतिक पारा गरमा गया है। एनडीए और इंडिया ब्लॉक, दोनों ने बिहार चुनावों को खास महत्व दिया है। नौ बार मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार का भविष्य भी दांव पर है।

सन ऑफ सरदार 2 में न होने पर छलका संजय दत्त का दर्द, ट्रेलर पोस्ट कर बोले-अगर हम साथ करते तो और मजा आता

> एक्टर संजय दत्त ने सन ऑफ सरदार २ फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई देते हुए दिल की बात लिखी। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा-सन ऑफ सरदार २ के लिए आपको बधाई राजू, अगर इसे हम एक साथ करते तो और भी मजा आता। कमेंट में फिर अजय ने लिखा, थैंक यू संजू।

अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म ऑफ सरदार 2 इस समय चर्चा में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्शन हीरो अजय देवगन के फैंस इस पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। ऐसे में संजय दत्त ने इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई दी है और पोस्ट में दिल की बात लिखी है। एक्टर संजय दत्त ने सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई देते हुए दिल की बात लिखी। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा–सन ऑफ सरदार 2 के लिए आपको बधाई राजू, अगर इसे हम एक साथ करते तो और भी मजा आता। कमेंट में फिर अजय ने लिखा, थैंक यू संजू। वहीं देवगन फिल्म्स के हैंडल से लिखा गया–ओह बिल्लू पाजी। कदी हंस भी दिया करो। सन ऑफ सरदार में संजय दत्त और अजय देवगन एक दूसरे के खिलाफ नजर आए थे। यह फिल्म साल 2012 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। संजय दत्त ने इसमें बलविंदर सिंह संधू यानी बिल्लू का किरदार निभाया था। वहीं अजय देवगन ने जसविंदर सिंह रंधावा यानी जस्सी का रोल प्ले किया था। कहानी में दोनों के बीच पुरानी पारिवारिक दुश्मनी थी। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 जहां पहले 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी लेकि सैयारा के कारण इसने रिलीज को आगे बढ़ा दिया। अब इसे 1 अगस्त को थिएटर्स में उतारा जाएगा। इसके पहले पार्ट में संजय दत्त नजर आए थे जिन्हें अब रवि किशन ने रिप्लेस कर दिया। फिल्म का जब दूसरा ट्रेलर रिलीज हुआ तो बाबा ने रिएक्ट किया।

हमेशा तारों की ओर इशारा...बेटे अहान की सक्सेस पर भावुक हुई मां डियाने पांडे,सैयारा एक्टर के नाम लिखा इमोशनल नोट

फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचा रही है। अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे ने फिल्म के जरिए डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ अनीत पड्डा हैं। फिल्म में दोनों कीपरफॉर्मेंस को हर तरफ से सराहा जा रहा है। इस बीच अहान पांडे की मां डियाने पांडे ने भी बेटे के लिए खास पोस्ट किया। डियाने ने अहान पांडे के बचपन की कुछ फोटोज शेयर करते हुए उन्हें खास नसीहत दी। डियाने पांडे ने इंस्टाग्राम पर अहान पांडे के बचपन की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं। इनमें एक्टर के जन्म के बाद हॉस्पिटल की तस्वीरें भी शामिल हैं। किसी फोटो में अहान बाथटब में नहाते दिख रहे हैं तो किसी में क्रिकेट खेलते दिख रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वो अपने दादा–दादी की गोद में बैठे भी दिखाई दे रहे हैं। इनके साथ डियाने पांडे ने लिखा–जब तुम छोटे थे तो हमेशा तारों की तरफ इशारा करते थे, मुझे कभी समझ नहीं आया क्यों? क्रिकेट खेलते थे, अपनी बड़ी बाल्टी में बबल बाथ लेना पसंद करते थे और मुझे किस करते थे, नामदेव पंडितजी के साथ पूजा करना पसंद करते थे। पूजा की अग्नि में लकड़ियां और घी डालने के लिए तुम स्ट्रगल करते थे। अपनी दादी को प्रसाद खिलाना तुम्हें बहुत पसंद था।

वो देश के लिए बहुत जरूरी..राहुल गांधी को पीएम बनते देखना चाहती हैं दीपिका पादुकोण, नेता की सोच विचार से प्रभावित हैं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की जितनी फेमस स्टार हैं, राजनीति के मामले में वह उतनी ही कच्ची हैं। ये बात हम नहीं कह रहे, बल्कि उन्होंने खुद कही थी एक इंटरव्यू में। जी हां, हाल ही में दीपिका का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहती हैं कि वे पॉलिटिक्स के बारे में ज्यादा नहीं जानती। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफो के पुल बांधते हुए उन्हें देश के प्रधानमंत्री के तौर पर देखने की इच्छा भी जताई थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि दीपिका कहती हैं–मैं पॉलिटिक्स के बारे में ज्यादा जानती नहीं हूं लेकिन जो थोड़ा बहुत देखती हूं टीवी पे तो जो राहुल गांधी कर रहे हैं हमारे देश के लिए वो एक क्लासिक उदाहरण है। नौजवान जो हमारे देश के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं, आशा करती हूं कि एक दिन वो देश के प्रधानमंत्री बन जाएंगे। वो यूथ के साथ जुड़ते हैं और उनकी जो सोच है जो विचार है वो ट्रेडिशनल भी है और फ्यूचरिस्टिक अप्रोच है उनका। मुझे लगता है कि हमारे देश के लिए वो बहुत ही जरूरी है। दीपिका का ये सालों पुराना वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है और यूजर्स इस पर कमेंट भी करते नजर आ रहे हैं। काम की बात करें तो दीपिका पादुकोण मां बनने के बाद फिलहाल ब्रेक पर हैं और अपने पति रणवीर सिंह संग मिलकर बेटी की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं।

कभी कुत्ते से हुई थीं रिप्लेस, आज हैं 163 करोड़ की मालकिन, इस एक्ट्रेस की जिंदगी की फिल्मी कहानी

हर इंसान की जिंदगी में एक ऐसा दौर आता है जब उसे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। फिल्मी दुनिया भी इससे अलग नहीं है। आज जो सितारे सुपरस्टार कहलाते हैं, उन्होंने भी कभी अपने करियर की शुरुआत बहुत नीचे से की थी। कई लोगों को काम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा तो कुछ को शुरुआत में ही रिजेक्ट कर दिया गया। कुछ लोग हार मान लेते हैं लेकिन कुछ लोग मुश्किलों को पार करके अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं। यह कहानी है एक ऐसी एक्ट्रेस की, जिसने न सिर्फ अपने टैलेंट से पहचान बनाई, बल्कि निजी जिंदगी में भी कई चुनौतियों का सामना किया। 33 साल की इस एक्ट्रेस की शादी को लेकर उन्हें बहुत ट्रोल किया गया क्योंकि उन्होंने एक ऐसे एक्टर से शादी की, जिनकी ये दूसरी शादी थी। यहां बात हो रही है शोभिता धुलिपाला की। शोभिता एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने साल 2024 में नागा चौतन्य से शादी की। नागा की यह दूसरी शादी थी। उनकी पहली पत्नी थी मशहूर एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु। शादी के बाद शोभिता को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया। लेकिन उन्होंने इन सभी बातों पर ध्यान न देकर अपने काम पर फोकस रखा और लगातार बड़ी फिल्मों में नजर आ रही हैं। शोभिता ने एक इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल के दिनों का एक किस्सा शेयर किया था, जो काफी चौंकाने वाला था। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें रात 11.30 बजे ऑडिशन के लिए फोन आया। यह सुनकर वो घबरा गईं लेकिन फिर भी गईं। वहां उनका ऑडिशन लिया गया और सेलेक्ट भी कर लिया गया। शूटिंग गोवा में होनी थी। शोभिता ने कहा,"मैं बहुत एक्साइटेड थी। ये थाईलैंड या ऑस्ट्रेलिया तो नहीं था, लेकिन फिर भी मैं खुश थी।" पहले दिन शूट ठीक–ठाक हुआ। फिर कैमरे में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ गईं और कहा गया कि अगला दिन उनका शूट होगा। लेकिन अगले दिन उन्हें बताया गया कि जब उनकी तस्वीरें क्लाइंट को भेजी गईं, तो उन्हें वो पसंद नहीं आईं।

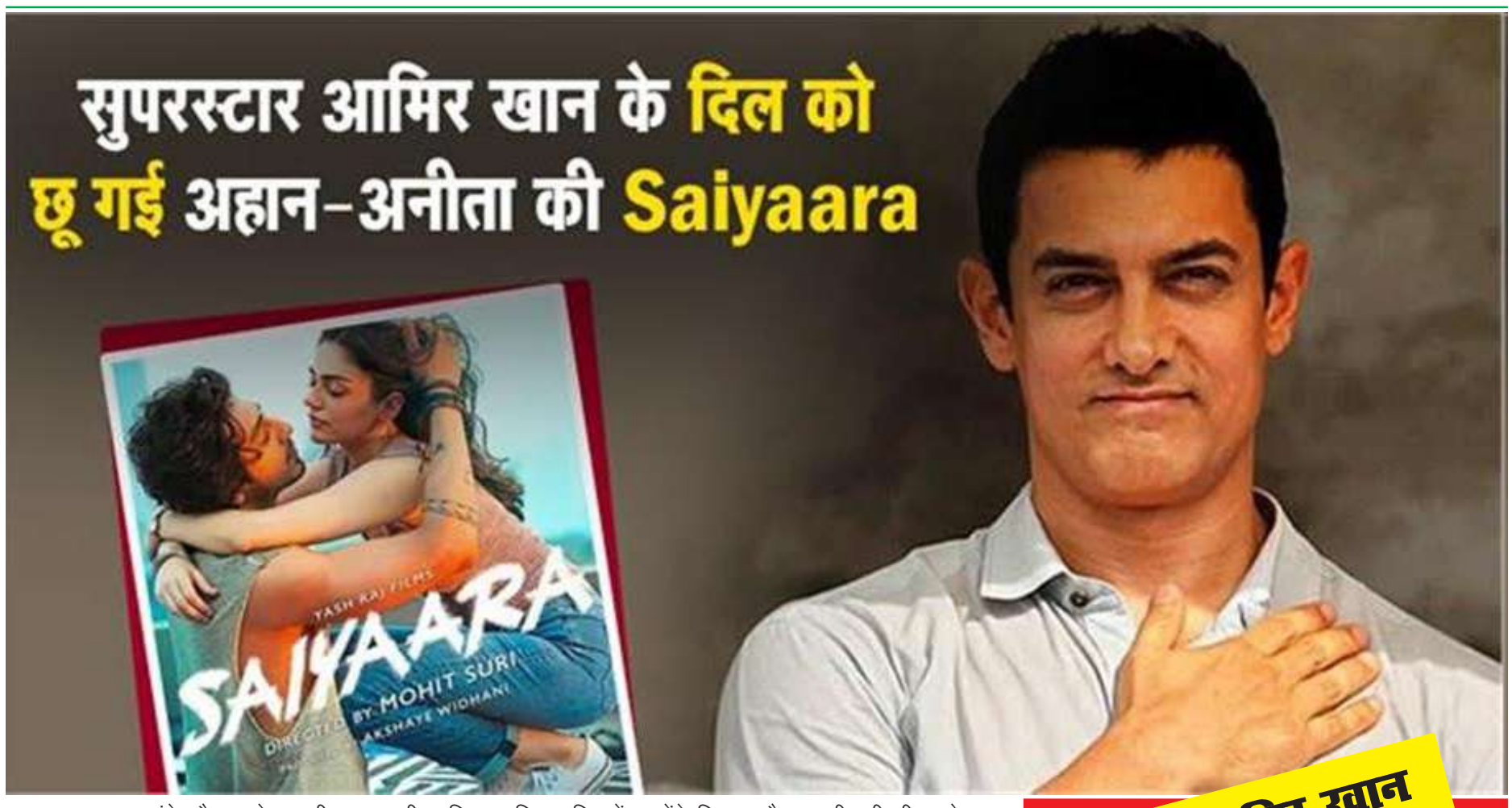

सुपरस्टार आमिर खान भी हुए अहान-अनीता की 'सैयारा' के दीवाने, कहा-पूरी टीम को अमेजिंग थिएटर सक्सेस.

एक्टर अहान पांडे और एक्ट्रेस अनीत पड्डा की हालिया रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' का लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म ने रिलीज के महज कुछ दिनों में ही रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। साथ ही दर्शकों के दिलों को भी छुआ है। मूवी देखने वाला हर शख्स इसकी तारीफ करते नहीं थक रहा है। इसी बीच हाल ही में सुपरस्टार आमिर खान ने भी 'सैयारा' देखी और फिल्म की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। एक्टर की प्रोडक्शन टीम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा की डेब्यू फिल्म की सराहना की है। आमिर खान की प्रोडक्शन टीम ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'सैयारा की पूरी टीम को इस अमेजिंग थिएटर सक्सेस के लिए बधाई! अहान पांडे और अनीत पड्डा अपनी डेब्यू फिल्म में बहुत खूबसूरती और गहराई के साथ चमक उठे हैं। मोहित सूरी ने फिल्म में इंटेंसिटी और पूरा जुनून दिखाया है। इस मेलोडियस और हार्ट टचिंग कहानी को आगे लाने का पूरा क्रेडिट वाईआरएफ को जाता है।'बता दें, आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी ये फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 165 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

किचन में रखे मसाले खराब हो गए या नहीं, इन संकेतों से पहचानें

जब भी मसालों को खाने में शामिल किया जाता है तो उसका स्वाद आप अपने टेस्ट बड पर महसूस करती हैं। लेकिन खाने में मसाले डालने के बाद भी वह स्वाद ही महसूस नहीं हो रहा, तो यह एक संकेत है कि मसाले अब अपना असर नहीं दिखा रहे।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। यही हमारे खाने की जान होते हैं। अगर खाने में मसाले थोड़े भी कम या ज्यादा हो जाएं तो इससे खाने का पूरा स्वाद ही बिगड़ जाता है। लेकिन क्या हो अगर यही मसाले बासी हो जाएं। जी हां, अगर मसाले बहुत पुराने या बासी हो जाते हैं तो इससे स्वाद पर काफी गहरा असर पड़ता है।

बहुत से लोग यह मानते हैं कि सूखे मसाले सालों–साल तक खराब नहीं होते, जबकि वास्तव में एक वक्त के बाद यह भी फ्रेश नहीं रह पाते हैं और उनकी खुशबू से लेकर रंगत व स्वाद काफी हद तक बदल जाता है। हवा के संपर्क में आने से उनका रंग, खुशबू व स्वाद धीरे–धीरे ये सब गायब होने लगता है। फिर चाहे जितना मर्जी डाल लो, खाने में वो स्वाद ही नहीं आ पाता। इसलिए ज़रूरी है कि समय–समय पर अपने मसालों की जाँच करते रहो। वरना न सिर्फ़ स्वाद का मज़ा कम हो जाएगा, बल्कि सेहत पर भी असर पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप अपने पुराने मसालों को किस तरह चेक कर सकती हैं–

खुशबू ना आना

हर मसाले की अपनी एक महक होती है और आप जब भी डिब्बा खोलती होंगी तो उस महक को जरूर महसूस करती होंगी। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि कुछ ना कुछ गड़बड़ है। अगर हल्दी या गरम मसाला नाक के पास ले जाने पर भी कोई महक नहीं आ रही, तो समझो अब इसका जादू खत्म हो चुका है।

स्वाद ना आना

जब भी मसालों को खाने में शामिल किया जाता है तो उसका स्वाद आप अपने टेस्ट बड पर महसूस करती हैं। लेकिन खाने में मसाले डालने के बाद भी वह स्वाद ही महसूस नहीं हो रहा, तो यह एक संकेत है कि मसाले अब अपना असर नहीं दिखा रहे। ऐसे में आप कितनी भी मात्रा में मसाले डालती हैं, लेकिन फिर भी आपको वह स्वाद नहीं मिल पाता है, जिसकी आपने उम्मीद की थी।

रंग उड़ जाना

मसालों का रंग धीरे–धीरे उड़ जाना भी इस बात की पहचान होती है कि अब मसाले पुराने हो गए है और आपको इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ताज़ा मिर्च पाउडर लाल चमकदार होता है, हल्दी पीले में दमकती है। अगर इनका रंग फीका पड़ने लगा है या भूरा–सा लग रहा है, तो इन्हें अपनी किचन से बाहर कर देने में ही समझदारी है।

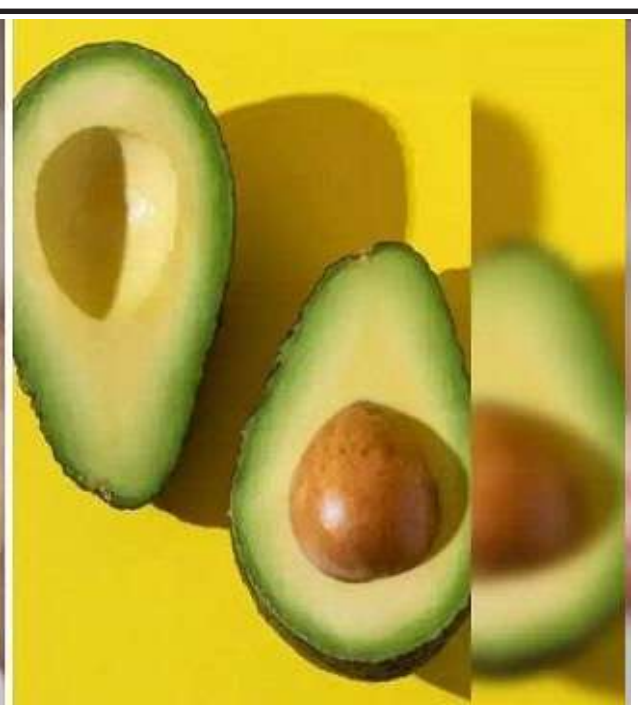

महिलाओं को बांझपन से बचाते हैं ये फूड्स, फर्टिलिटी को नैचुरली बढ़ाएं डाइट में जरूर करें शामिल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव, अनियमित खानपान और बदलती जीवनशैली का सबसे बड़ा असर महिलाओं की सेहत पर पड़ता है। खासकर फर्टिलिटी (प्रजनन क्षमता) पर इसका असर साफ दिखाई देता है। कई महिलाएं आजकल बांझपन की समस्या से जूझ रही हैं। हालांकि समय रहते सही खानपान और जीवनशैली अपनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 6 सुपरफूड्स के बारे में, जिन्हें नियमित डाइट में शामिल करके महिलाएं अपनी फर्टिलिटी को प्राकृतिक रूप से बढ़ा सकती हैं।

अखरोट

अखरोट ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह महिलाओं के हार्मोनल संतुलन को सुधारता है और यूटेरस (गर्भाशय) की सेहत को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद जिंक और फोलेट फर्टिलिटी के लिए जरूरी पोषक तत्व हैं। रोजाना एक मुट्ठी अखरोट खाने से ओव्यूलेशन नियमित होता है और गर्भधारण की संभावना बढ़ती है।

बीजः अलसी, कद्दू और सूरजमुखी के बीज

फर्टिलिटी बढ़ाने के लिए बीजों को सुपरफूड माना जाता है। खासतौर पर अलसी के बीज, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन को बैलेंस करने में मदद करते हैं। इनमें विटामिन ई, जिंक और सेलेनियम भरपूर मात्रा में होता है जो प्रजनन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। आप इन बीजों को स्मूदी, सलाद या दही में मिलाकर खा सकती हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, सरसों, मेथी और दूसरी हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन, फोलेट, कैल्शियम और विटामिन सी का अच्छा स्रोत हैं। ये सभी पोषक तत्व अंडाशय और यूटेरस की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं। साथ ही ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सुधारते हैं, जिससे गर्भधारण में सहायता मिलती है। आयरन की कमी महिलाओं में ओव्यूलेशन में गड़बड़ी का कारण बन सकती है, इसलिए हरी सब्जियाँ डाइट में जरूर शामिल करें।

दूध और डेयरी उत्पाद

फुल–फैट दूध, दही, पनीर और घी जैसे डेयरी उत्पाद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी से भरपूर होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हॉर्मोन बैलेंस बनाए रखने में सहायक होते हैं और अंडाणु की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। रिसर्च से यह भी पता चला है कि जो महिलाएं लो–फैट डेयरी उत्पाद की तुलना में फुल–फैट डेयरी लेती हैं, उनमें ओव्यूलेशन डिसऑर्डर का खतरा कम होता है।

फल खासकर बेरीज

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी जैसे फल एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन C से भरपूर होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से शरीर की रक्षा करते हैं और अंडाणु कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाते हैं। ये फल महिलाओं की प्रजनन प्रणाली को स्वस्थ रखते हैं और पीसीओएस, एंडोमेट्रियोसिस जैसी समस्याओं से बचाने में मददगार हैं। साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाते हैं।

अंडा

अंडे प्रोटीन, विटामिन बी12, कोलीन और ओमेगा–3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत होते हैं। यह न केवल ओव्यूलेशन को नियमित करता है बल्कि अंडाणु की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। अंडे में मौजूद कोलीन भ्रूण के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आप अंडा खाती हैं, तो इसे उबालकर या ऑमलेट के रूप में डाइट में शामिल करें।

अंत में कुछ जरूरी बातें

इन खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करने के साथ–साथ नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव से दूर रहना भी जरूरी है। फर्टिलिटी एक संवेदनशील विषय है, इसलिए कोई भी बड़ा बदलाव करने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह जरूर लें। प्राकृतिक और संतुलित आहार से न केवल महिलाओं की सेहत सुधरती है, बल्कि भविष्य में गर्भधारण की संभावना भी बढ़ती है। महिलाओं की प्रजनन क्षमता को बेहतर बनाने के लिए सही खानपान बेहद जरूरी है।

ऊपर बताए गए 6 फूड्स, अखरोट, बीज, हरी सब्जियाँ, डेयरी उत्पाद, बेरीज और अंडे को अपनी डेली डाइट में शामिल करें और बांझपन की समस्या से बचाव करें। ये न सिर्फ सेहतमंद जीवनशैली का हिस्सा हैं, बल्कि एक खुशहाल मातृत्व की ओर भी पहला कदम हैं।

धनवान और सुखी जीवन चाहते हैं तो 'नीम करोली बाबा' के बताएं ये 4 उपाय जरूर आजमाएं

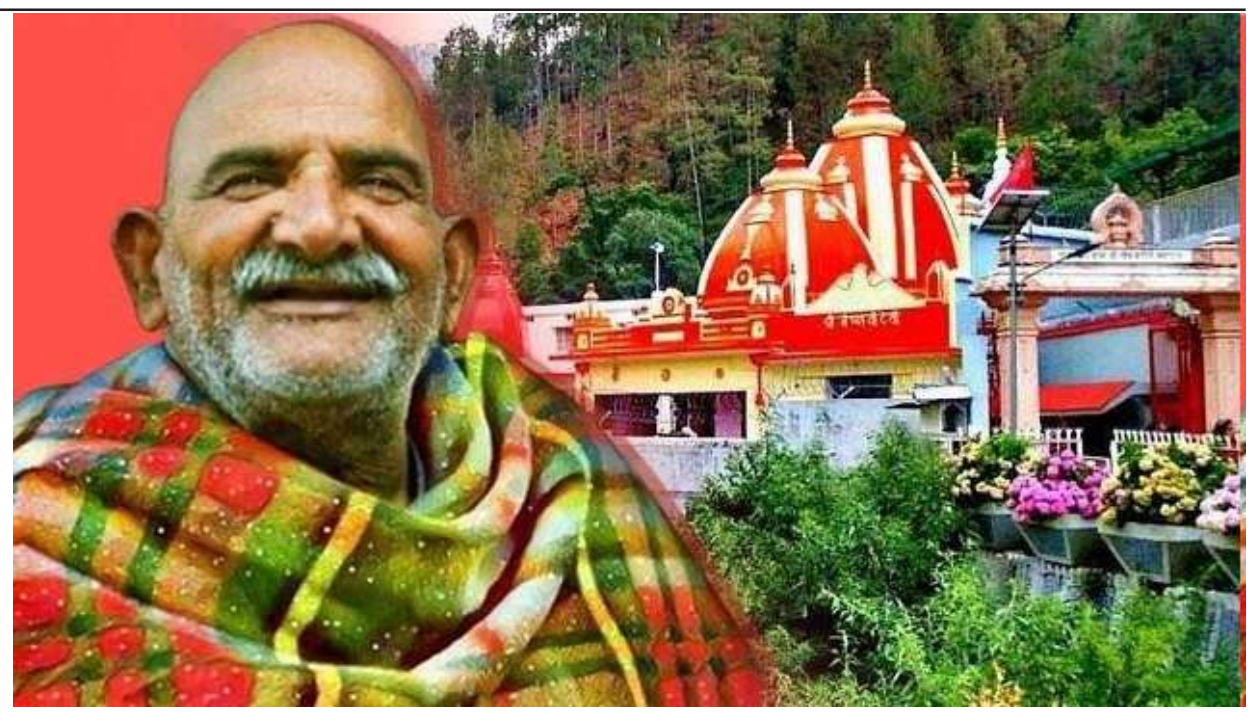

नीम करोली बाबा हनुमान जी के बहुत बड़े भक्त थे। वे केवल अपने भक्तों के ही नहीं बल्कि लाखों लोगों के लिए मार्गदर्शक भी थे। बाबा जी संतों के साथ मिलकर लोगों को सही रास्ता दिखाते और उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान देते थे। उनका आश्रम नैनीताल के पास कैंची धाम में था। यह जगह इतनी प्रसिद्ध है कि देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने आते हैं। कैंची धाम एक ऐसा पवित्र स्थल है जहां हर साल बड़ी संख्या में भक्त जुटते हैं। यह वही स्थान है जहां कई प्रसिद्ध हस्तियां जैसे एप्पल के मालिक स्टीव जॉब्स, फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स भी आ चुकी हैं। इन लोगों ने कहा कि कैंची धाम आकर उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया। नीम करोली बाबा ने धनवान और सुखी जीवन जीने के कुछ सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय बताए थे। ये उपाय हम आपके साथ साझा कर रहे हैं ताकि आप भी उनके आशीर्वाद से अपने जीवन में खुशहाली ला सकें।

हनुमान चालीसा का रोजाना पाठ करें

नीम करोली बाबा कहते थे कि हर व्यक्ति को अगर धनवान और सुखी जीवन चाहिए तो उसे रोज हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए। हनुमान चालीसा की हर एक पंक्ति अपने आप में एक महामंत्र है। जो व्यक्ति नियमित रूप से हनुमान चालीसा पढ़ता है, वह सभी दुखों और परेशानियों से मुक्त हो जाता है। साथ ही उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जो भी लक्ष्य वह हासिल करना चाहता है, उसमें आ रही बाधाएं दूर हो जाती हैं।

गुरु के सानिध्य में रहना जरूरी है

नीम करोली बाबा कहते थे कि जिनको भी आप अपना गुरु मानते हैं, उनके पास रहना और उनसे मार्गदर्शन लेना बहुत महत्वपूर्ण है। गुरु के सानिध्य में रहकर आप जीवन में आने वाली हर मुश्किल को आसानी से पार कर सकते हैं। गुरु के दर्शन और उनके बताए रास्ते पर चलने से आपके सभी काम बिना किसी रुकावट के पूरे होते चले जाएंगे।

कठिन समय में घबराएं नहीं

नीम करोली बाबा का मानना था कि जब जीवन में कोई कठिन परिस्थिति आए तो घबराना बिल्कुल भी नहीं चाहिए। विपरीत हालात में भी धैर्य बनाए रखना चाहिए और हमेशा शांत रहना चाहिए। क्योंकि बुरा वक्त हमेशा स्थायी नहीं होता, अच्छे दिन भी जरूर आते हैं। इसलिए कभी भी नकारात्मक सोच को अपने मन में जगह नहीं देनी चाहिए और अपने ईष्ट देव पर पूरा विश्वास रखना चाहिए।

धन को सही तरीके से खर्च करें

नीम करोली बाबा ने बताया कि असली अमीर वही होता है जो पैसे की सही कीमत समझता है। पैसे को केवल इकट्ठा करने में नहीं बल्कि उसे सही जगह खर्च करने में बुद्धिमानी होती है। बाबा जी कहते थे कि धन का उपयोग हमेशा किसी की मदद के लिए करना चाहिए। अगर आप अपने धन को धर्म के कामों या जरूरतमंदों की सहायता में लगाते हैं, तो आप सच में धनवान कहलाते हैं। नीम करोली बाबा के ये सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय हमें सिखाते हैं कि जीवन में सफलता, सुख और समृद्धि पाने के लिए हमें आध्यात्मिकता और सही आचरण दोनों को अपनाना होगा। इनके अनुसार, ईश्वर में विश्वास, गुरु की महत्ता, संयम और सही दिशा में प्रयास ही हमें असली खुशहाली देते हैं।

सिंपल साड़ी के साथ कैरी करें गोटा पट्टी वाले ब्लाउज, मिलेगा क्लासी और खूबसूरत लुक

पारंपरिक परिधानों में गोटा पट्टी का काम एक खास चमक और खूबसूरती जोड़ता है। जिस कारण महिलाओं के बीच गोटा वर्क वाले आउटफिट्स की जबरदस्त डिमांड रहती है। वहीं मार्केट में आपको गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियों की भरपूर वेराइटी देखने को मिल जाएगी। लेकिन गोटा पट्टी का यह वर्क अब सिर्फ साड़ियों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि आजकल गोटा पट्टी ब्लाउज भी काफी ट्रेंड में हैं। यह ब्लाउज काफी आकर्षक और मनभावन होते हैं कि इनको एक ही नजर में खरीदने का मन करता है। लेकिन गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए। यह समझना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि कई बार महिलाएं इन ब्लाउज को खरीद तो लेती हैं, लेकिन उनको गलत साड़ी के साथ पहनकर अपना पूरा लुक बिगाड़ लेती हैं। इसलिए जरूरी है कि आप गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को शिफॉन, जॉर्जेट, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहन सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ गोटा वर्क ब्लाउज के बेहतरीन डिजाइनों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि किस फैब्रिक की साड़ी के साथ इन ब्लाउज को स्टाइल किया जा सकता है।

गोटा पट्टी ब्लाउज की 5 डिजाइंस

गोटा पट्टी का काम राजस्थानी कला का एक बेहतरीन उदाहरण है। पूरे विश्व में यह एम्ब्रॉयडरी फेमस है। एक छोटा और पतला सा गोटा पूरे ब्लाउज की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है।

गोटा पट्टी चेक एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज डिजाइन

नेट फैब्रिक में भी अब गोटा वर्क वाली साड़ी आती है। इस तरह की साड़ी के साथ आप गोटा पट्टी चेक एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इन पर सिंपल सोबर गोटे वर्क से चेक डिजाइन काफी अच्छे लगते हैं। सिंपल नेट की साड़ी के साथ इस तरह के ब्लाउज पहनें और हाथों में ढेर सारी मैचिंग चूड़ी पहनें। इससे आपको परफेक्ट एथनिक लुक मिलेगा।

गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज डिजाइन

यह एम्ब्रॉयडरी बहुत बारीक नहीं होती है, तो आप इसको बोल्ड एम्ब्रॉयडरी कह सकती हैं। लेकिन यह थीम बेस्ड होती है। गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी में बनी ठनी, श्रीनाद और चारबाग आर्ट के कई नमूने देखने को मिल जाएंगे। आप किसी भी सिंपल शिफॉन साड़ी के साथ यह ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। यह ब्लाउज आपको पार्टी गेटअप देते हैं और कम बजट में एक डिजाइनर फील देने वाला आउटफिट मिल जाता है।

गोटा पट्टी पाइपिंग ब्लाउज डिजाइन

गोटा पट्टी पाइपिंग वाले ब्लाउज की खासियत यह है कि इनको छोटे और बड़े ब्रेस्ट कैसे भी हों आप पहन सकती हैं। आप डुएल रंग के कपड़े को लेकर ब्लाउज तैयार करवा सकती हैं। वैसे तो यह ब्लाउज आपको चोलीकट डिजाइन में बनवाना चाबिए, खासतौर पर अगर ब्रेस्ट का साइज छोटा है। तो इस तरह की डिजाइंस ब्रेस्ट को लिफ्ट करेंगी। वहीं बड़े ब्रेस्ट साइज पर भी फिटिंग अच्छी मिलेगी।

गोटा पट्टी लाइनिंग ब्लाउज डिजाइन

बता दें कि वर्टिकल और हॉरीजॉन्टल लाइनिंग वाले गोटा पट्टी वर्क ब्लाउज भी काफी अच्छे दिखते हैं। ऑर्गेंजा साड़ी के साथ आप ऐसे ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज दिखने में क्लासी लगते हैं। ऐसे में आप किसी भी बड़े अवसर या फिर तीज–त्योहार में कैरी करती हैं, तो सभी की नजरें आपके लुक पर टिक कर रह जाएंगी। आप फुल और हाफ दोनों तरह की स्लीव्ज बनवा सकती हैं।

संक्षिप्त

नेस्ले इंडिया का अप्रैल–जून तिमाही में मुनाफा 13.4 प्रतिशत घटकर 646 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। दैनिक उपभोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का अप्रैल–जून 2025 तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 13.4 प्रतिशत घटकर 646.59 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 746.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। नेस्ले इंडिया ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की उत्पाद बिक्री से आय 5.86 प्रतिशत बढ़कर 5,073.96 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले की इसी तिमाही में 4,792.97 करोड़ रुपये थी। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ''इस तिमाही पर जिंस खंड में बढ़ी हुई खपत कीमतों का असर दिखा। इसके अलावा पिछले सात–आठ महीनों में विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार के परिणामस्वरूप परिचालन लागत में भी बढ़ोतरी देखी गई।'' नेस्ले इंडिया का कुल व्यय 9.25 प्रतिशत बढ़कर 4,199.73 करोड़ रुपये हो गया। वहीं निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 213.95 करोड़ रहा। घरेलू बिक्री समीक्षाधीन अवधि में 5.45 प्रतिशत बढ़कर 4,860.01 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 4,608.50 करोड़ रुपये थी।

बीकाजी के 'चटपटे' कारोबार का कमाल, पहली तिमाही में बिक्री ने पकड़ी जोरदार रफ्तार

नयी दिल्ली। 'स्नैक्स' बनाने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.3 प्रतिशत बढ़कर 58.52 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024–25 की पहली (अप्रैल–जून) तिमाही में मुनाफा 57.77 करोड़ रुपये रहा था। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी

सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 637.05 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 554.59 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बीकाजी फूड्स का कुल खर्च सालाना आधार पर 16.7 प्रतिशत बढ़कर 584.09 करोड़ रुपये हो गया। कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) 14.52 प्रतिशत बढ़कर 662.66 करोड़ रुपये हो गई। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल भारत की तीसरी सबसे बड़ी 'एथनिक स्नैक्स' बनानेवाली कंपनी है। यह भारतीय मिठाई और नमकीन उत्पादों के उत्पादन एवं वितरण में विशेषज्ञता रखती है। 'एथनिक स्नैक्स' खंड से इसकी आय में 11.2 प्रतिशत और 'पैकेज्ड स्वीट्स' से 3.1 प्रतिशत की बढ़ी। इसके 'एथनिक स्नैक्स' का कुल कारोबार में 75.3 प्रतिशत योगदान रहा।

अनिल अंबानी से जुड़े 50 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, 3000 करोड़ के यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मुंबई में उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और इसके प्रमोटर–निदेशक अनिल डी अंबानी को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत किए जाने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। हालांकि अनलि अंबानी के निजी आवास पर तलाशी अभियान नहीं चलाया गया, लेकिन दिल्ली और मुंबई से आई ईडी की टीमों ने उनके समूह की कुछ कंपनियों से जुड़े परिसरों का दौरा किया। यह जांच त।।ळ। (रिलायंस अनिल अंबानी समूह) कंपनियों की ओर से कथित धन शोधन से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों और यस बैंक के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में गुरुवार को छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई और दिल्ली में 50 कंपनियों और लगभग 25 लोगों के 35 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है। ईडी सूत्रों ने कहा कि वे 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को उनके व्यवसाय में धन प्राप्त हुआ था। इसे देखते हुए एजेंसी षरिश्वतष और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों को यस बैंक की ओर से ऋण स्वीकृतियों में घोर उल्लंघनों के आरोपों की पड़ताल कर रही है।

ईडी की कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए), बैंक ऑफ बड़ौदा और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दो एफआईआर सहित कई नियामक और वित्तीय निकायों से प्राप्त इनपुट पर आधारित है। रिपोट्र्स के अनुसार अनिल अंबानी समूह से जुड़े वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारियों के यहां भी तलाशी ली जा रही है। ईडी का दावा है कि उसे सार्वजनिक धन की हेराफेरी की एक सुनियोजित योजना के सबूत मिले हैं। जांच से पता चलता है कि इस प्रक्रिया में बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों सहित कई संस्थाओं को गुमराह किया गया या उनके साथ धोखाधड़ी की गई। खबरों के मुताबिक, ईडी की जांच 2017 से 2019 के दौरान यस बैंक से लिए गए 3,000 करोड़ रुपये के ऋणों के संदिग्ध अवैध डायवर्जन पर केंद्रित है।

भारत को बड़ा झटका, ऋषभ पंत इंग्लैंड सीरीज से हुए बाहर, ईशान किशन को टीम में किया जा सकता है शामिल

मैनचेस्टर। इंग्लैंड दौरे पर भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने का दौर जारी है और अब इसमें उपकप्तान ऋषभ पंत का नाम जुड़ चुका है। पंत चोटिल होकर इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बची सीरीज से बाहर हो चुके हैं। उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पैर में चोट लगी थी। इसके बाद वह काफी दर्द में दिखे थे और रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उन्हें स्कैन के लिए भी ले जाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके पैर की अंगुली टूट गई है और डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। पहली पारी में पंत 37 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जब रिवर्स स्वीप के प्रयास में गेंद आकर उनके पैर पर लगी। भारतीय पारी के 68वें ओवर में क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर पर लगी। इसके बाद वह जमीन पर ही लेट गए और काफी दर्द में दिखे थे। फीजियो के आने पर भी वह दर्द से कराहते दिखे थे। फिर उन्हें उठाकर ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन वह चल नहीं सके। फिर उन्हें एंबुलेंस में ले जाया गया। पंत के दाहिने पैर से खून रिसता हुआ देखा गया, साथ ही शरीर के उस हिस्से में काफी सूजन भी थी। पंत का बाहर होना बड़ा झटका है, क्योंकि वह इन फॉर्म बल्लेबाज हैं और मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। अब वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं आएंगे, जिससे भारत इस टेस्ट में एक कम बल्लेबाज के साथ उतरेगा। इसका नुकसान हो सकता है। इंग्लैंड की टीम पहले ही सीरीज में 2–1 से आगे है। अगर भारतीय टीम यह टेस्ट हारती है तो सीरीज भी हार जाएगी। वहीं, बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, श्स्कैन रिपोर्ट में फ्रैक्चर दिखाया गया है और वह छह हफ्तों के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट का एलान करेगा और ईशान किशन रिप्लेसमेंट हो सकते हैं।श पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल मैदान में 31 जुलाई से चार अगस्त तक खेला जाएगा। किशन ने हाल ही में नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी मैच खेले हैं और साथ ही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के

खिलाफ खेलने वाली भारत ए टीम का भी हिस्सा थे। हालांकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी दोनों मैचों में से किसी में भी नहीं खेला था। थिंक टैंक केएल राहुल को विकेटकीपिंग करने के लिए भी कह सकता है, लेकिन उन्होंने 2023–24 सीजन में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से यह जिम्मेदारी नहीं निभाई है। टीम के अन्य विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग–11 में नहीं रखा गया था। सीरीज में पंत को दूसरी बार चोट लगी है। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए उनकी उंगली में चोट लग गई थी जिसके कारण वह इंग्लैंड की दूसरी पारी में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे। ध्रुव जुरेल ने तब स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर विकेटकीपिंग की थी। वहीं, इंडियन एक्सप्रेस ने बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया, श्मेडिकल टीम यह देखने की कोशिश कर रही है कि क्या पंत दर्द निवारक दवा लेकर फिर से बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। हालांकि, उन्हें चलने के लिए अभी भी सहारे की जरूरत है और उनकी बल्लेबाजी की संभावना बहुत कम दिख रही है।श पंत अब अगले छह हफ्ते तक मैदान पर नहीं दिखेंगे। भारत पहले से ही चोट के संकट से जूझ रहा है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी (घुटने) सीरीज से बाहर हो चुके हैं और तेज गेंदबाज आकाश दीप (ग्रोइन) और अर्शदीप सिंह (अंगूठे) चौथे टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं। शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को चौथे टेस्ट में मौका दिया गया। पंत ने अब तक इस सीरीज में चार मैचों में 66 की औसत से 462 रन बनाए थे। इनमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। पंत इससे पहले भी चोट की वजह से काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उनका 2022 के दिसंबर में एक्सीडेंट हुआ था और पैर में गंभीर चोट लगी थी। उन्होंने करीब डेढ़ साल बाद आईपीएल 2024 से क्रिकेट में वापसी की थी। अब एक बार फिर वह चोटिल हो गए हैं।

दो टेस्ट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद गिल के बल्ले में लगी जंग! तीन पारियों में बना पाए 34 रन

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए हैं। शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा 19–19 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर इस टेस्ट में फेल रहे। शुरुआती दो मैचों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद उनके बल्ले से रन निकलना बंद हो चुका है। गिल ने हेडिंग्ले और एजबेस्टन को मिलाकर ही सीरीज में 600 के करीब रन बना लिए थे, लेकिन लॉर्ड्स और अब मैनचेस्टर में उनके बल्ले से रन नहीं निकला है। लॉर्ड्स की दोनों पारियों और ओल्ड ट्रैफर्ड की एक पारी को मिलाकर कुल तीन पारियों में वह 34 रन बना पाए हैं। इससे पहले उन्होंने चार पारियों में 585 रन बनाए थे। गिल को मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने आउट किया। गिल 23 गेंद में 12 रन बना सके। इससे पहले लॉर्ड्स की पहली पारी में उन्होंने 16 रन और दूसरी पारी में छह रन बनाए थे। इसकी वजह से टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, हेडिंग्ले में पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 147 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में आठ रन बनाए थे। इसके बाद बर्मिंघम में तो उन्होंने इतिहास रच दिया था। पहली पारी में गिल ने 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन की पारी खेली। भारत ने बर्मिंघम में टेस्ट जीतकर इतिहास रचा था। टीम इंडिया इस जगह पर टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके बाद गिल के बल्ले की धार कम हुई तो लॉर्ड्स में भारत को हार का मुंह देखना पड़ा। गिल को स्टोक्स ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। इस सीरीज में गिल अब तक दो बार स्पिनर के और पांच बार तेज गेंदबाजों के शिकार बने हैं। भारत को अगर टेस्ट जीतना है और सीरीज में वापसी करनी है तो गिल का रन बनाना बेहद जरूरी है। स्टोक्स ने अब तक टेस्ट में खुद कप्तान रहते हुए छह विपक्षी टीमों के कप्तानों का शिकार किया है, इनमें से तीन भारतीय कप्तान रहे हैं।

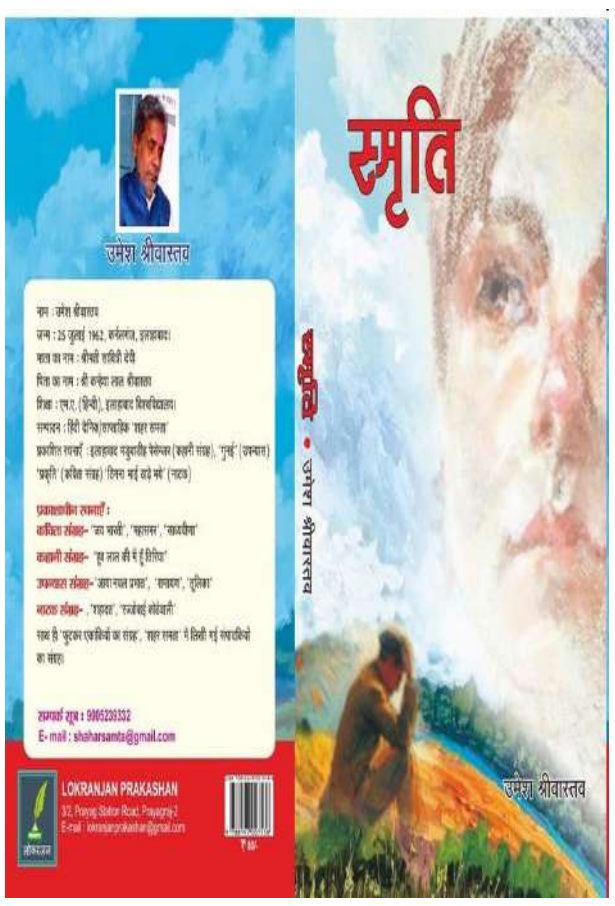

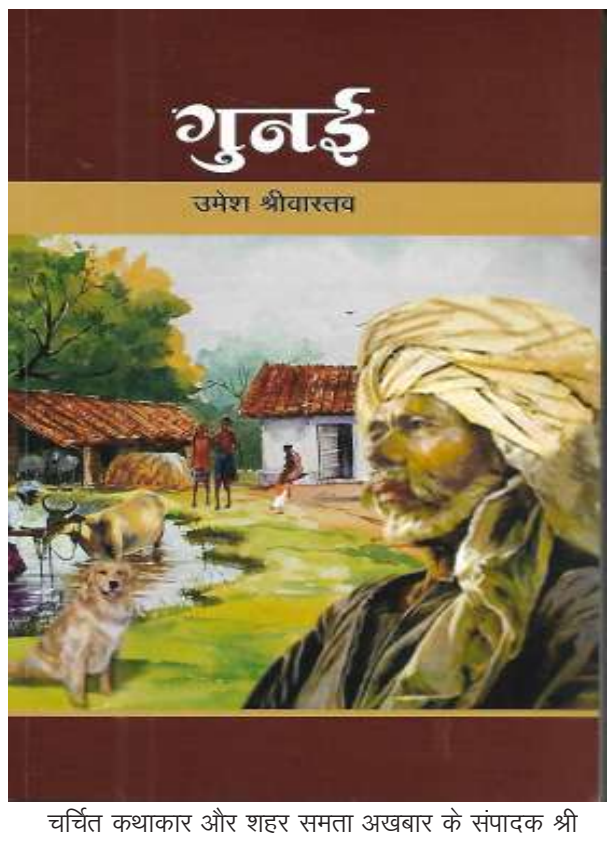

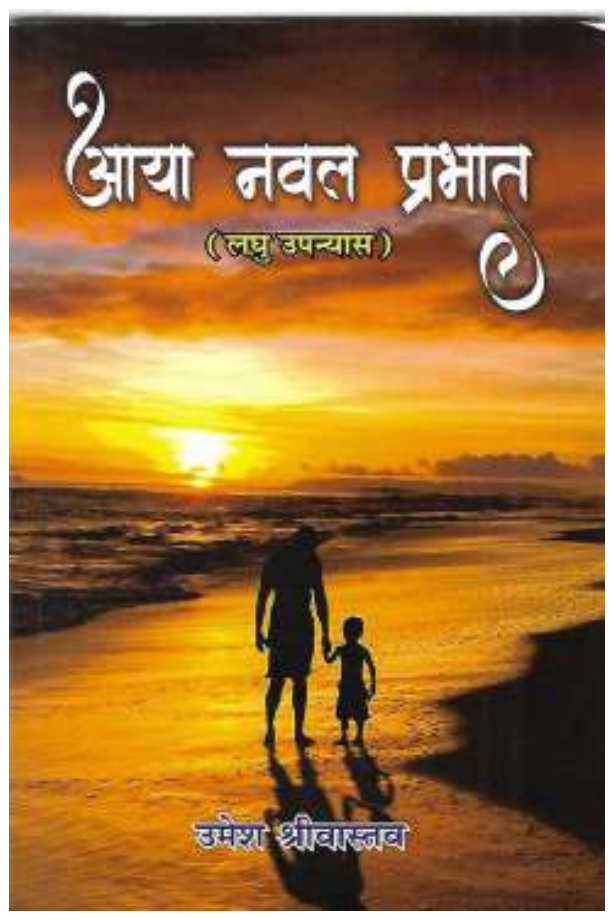

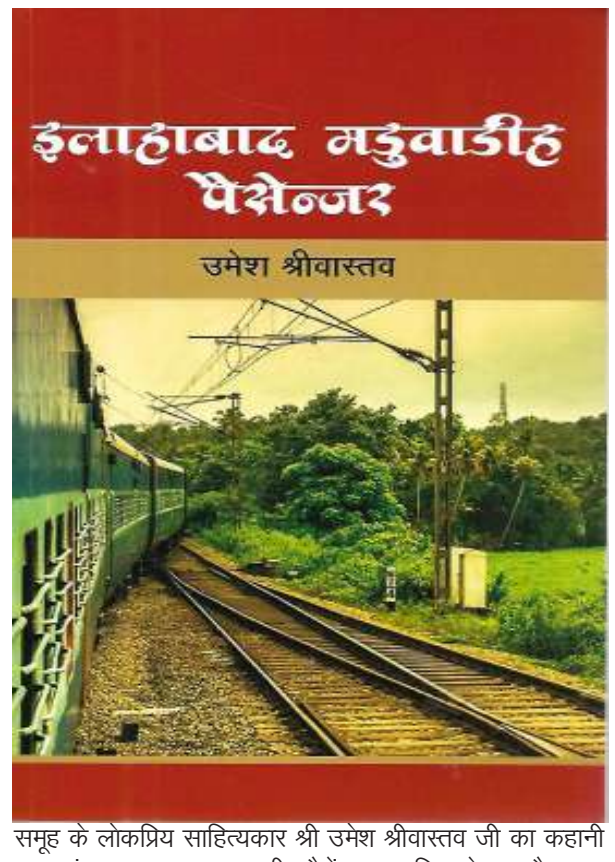

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

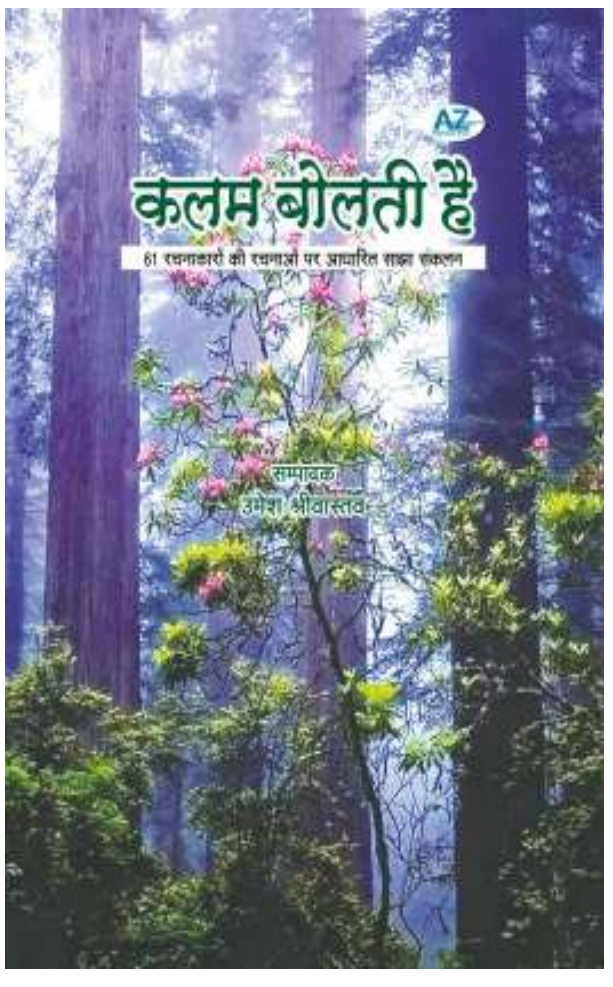

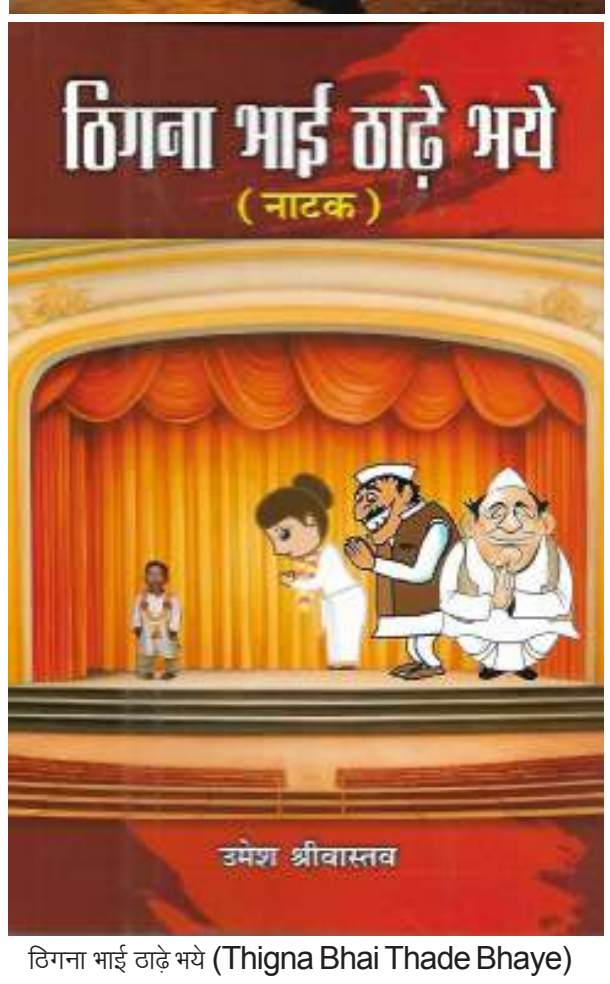

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

घुटनों पर आया पाकिस्तान, मोदी के आगे शहबाज ने फिर मांगी भीख

पाकिस्तान ने भारत से बातचीत की पेशकश की है। प्रधानमंत्री शहबाद शरीफ का कहना है कि वो बातचीत के लिए तैयार हैं। गंभीर और सार्थक बातचीत के लिए हम तैयार हैं। ब्रिटिश उच्चायुक्त के साथ बातचीत में शहबाज शरीफ ने ये इच्छा जताई है। दरअसल, भारत की ओर साफ कहा गया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। ऐसे में पाकिस्तान हर मंच से भारत के साथ बातचीत करने की इच्छा जता रहा है। नई दिल्ली, इस्लामाबाद की ओर से इस तरह के शांति प्रस्तावों को एक घिसी–पिटी पटकथा का हिस्सा मानता है, जिसके बाद ऐतिहासिक रूप से विश्वासघात और शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयाँ होती रही हैं। शरीफ ने यह टिप्पणी इस्लामाबाद में ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट के साथ एक बैठक के दौरान की, जहाँ दोनों ने क्षेत्रीय मामलों और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शरीफ ने पाकिस्तान–भारत गतिरोध के दौरान तनाव कम करने में ब्रिटेन की भूमिका की सराहना की और दोहराया कि पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है। यह टिप्पणी भारत द्वारा 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर आई है, जिसका उद्देश्य घातक पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के क्षेत्रों में आतंकवाद और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना था। पाकिस्तान के नेतृत्व का सार्वजनिक रूप से शांति की पेशकश करने का एक लम्बा इतिहास रहा है, जबकि वह शांति के विचार को ही नुकसान पहुंचाने वाली कार्रवाइयों को अनुमति देता है या उनका आयोजन करता है। 1999 कारगिल युद्धरू तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा नवाज़ शरीफ़ के साथ एक अभूतपूर्व शांति पहल के तहत लाहौर की यात्रा के कुछ ही महीनों बाद, जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ के नेतृत्व में पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने कारगिल में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की, जिससे एक खूनी संघर्ष छिड़ गया जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई। 2001 आगरा शिखर सम्मेलनरू कारगिल विश्वासघात के बाद, भारत ने सावधानीपूर्वक बातचीत फिर से शुरू की। लेकिन शिखर सम्मेलन विफल हो गया और उसी वर्ष दिसंबर में, पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने भारतीय संसद पर हमला किया, जिससे दोनों देश लगभग युद्ध के कगार पर पहुँच गए। 2008 मुंबई हमलेरू वर्षों की गुप्त कूटनीति और विश्वास–निर्माण के उपायों के बाद एक और बड़ा झटका लगा। पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा के गुर्गों द्वारा किए गए 26/11 के हमलों में 166 लोग मारे गए और बचा–खुचा विश्वास भी चकनाचूर हो गया।

संक्षिप्त

थाईलैंड–कंबोडिया सीमा पर भड़का संघर्ष, हवाई हमलों और गोलीबारी में 11 लोगों की मौत

बैंगकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद गुरुवार को हिंसक टकराव में बदल गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार इस संघर्ष में अब तक 11 नागरिकों की मौत हो चुकी है। थाई सेना के अनुसार, सबसे ज्यादा हताहत सिसा केट प्रांत में हुए, जहां एक पेट्रोल पंप पर गोलीबारी में छह लोगों की जान चली गई। तीन सीमा प्रांतों में कुल 14 लोग घायल बताए गए हैं। बीते मई में हुई एक झड़प में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता गया है। अब हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर पहले फायरिंग शुरू करने का आरोप लगाया है। थाईलैंड की सेना ने पुष्टि की कि उसने कंबोडिया में स्थित कुछ लक्ष्यों पर हवाई हमले किए। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि थाईलैंड ने प्राचीन प्रेह विहेयर मंदिर के पास सड़क पर बम गिराए। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने बताया कि कंबोडिया से आई गोलीबारी में एक नागरिक की मौत हुई और एक पांच वर्षीय बच्चा समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हालांकि अब मृतको की संख्या बढ़कर कुल 11 हो गई है। गुरुवार सुबह पहली झड़प सुरिन प्रांत और ओडर मींचे प्रांत के बीच ता मुएन थोम मंदिर के पास हुई। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि थाई सेना ने उनके क्षेत्रों पर हमला किया, जिससे उन्हें जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। दोनों देशों ने एक–दूसरे पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग बंकरों में छिपते नजर आए। गुरुवार सुबह कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ अपने राजनयिक संबंधों को सबसे निचले स्तर पर लाने की घोषणा की। उसने थाई राजदूत को निष्कासित किया और अपने सभी स्टाफ को बैंकॉक स्थित दूतावास से वापस बुला लिया। यह कदम थाईलैंड द्वारा अपने पांच सैनिकों के घायल होने के बाद सीमा चौकियों को बंद करने और कंबोडियाई राजदूत को निष्कासित करने के जवाब में उठाया गया। थाई अधिकारियों ने हाल में सीमा पर बारूदी सुरंगों से हुए धमाकों को लेकर कंबोडिया पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये सुरंगें हाल ही में बिछाई गई हैं और रूसी निर्माण की हैं। जबकि कंबोडिया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये पुराने युद्धों की निशानियां हैं। एक धमाके में थाई सैनिक का पैर तक कट गया। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने प्रेह विहेयर मंदिर को कंबोडिया का हिस्सा माना था, लेकिन यह फैसला आज तक थाईलैंड को रास नहीं आया। 2011 में हुए झड़पों में करीब 20 लोग मारे गए थे और हजारों विस्थापित हुए थे। 2013 में अदालत ने एक बार फिर कंबोडिया के पक्ष में फैसला दिया, जिससे थाईलैंड में असंतोष बढ़ा। अब एक बार फिर वही पुराने जख्म हरे हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में स्वामीनारायण मंदिर पर नस्लीय हमला, दीवारों पर लिखे गए नफरत भरे संदेश

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में एक बार फिर नस्लीय नफरत का चेहरा सामने आया है। यहां बोरोनिया इलाके में स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर को अज्ञात लोगों ने अपमानजनक और नस्लीय भाषा वाले संदेशों से बदनाम करने की कोशिश की। यह घटना सिर्फ एक धार्मिक स्थल पर हमला नहीं, बल्कि भारतीय समुदाय की भावनाओं पर सीधा प्रहार है। ऑस्ट्रेलियन न्यूज आउटलेट श्ऑस्ट्रेलिया टुडेश के मुताबिक, मंदिर की दीवार पर लाल रंग से 'गो होम ब्राउन...' जैसे नफरत भरे नस्लीय शब्द लिखे गए। यही नहीं, पास के दो एशियाई रेस्टोरेंट की दीवारों पर भी इसी तरह की अभद्र भाषा पाई गई है। हिंदू काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया (विक्टोरिया चौप्टर) के अध्यक्ष मकरंद भगवत ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर शांति, भक्ति और एकता का प्रतीक है। इस तरह की घटना हमारी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान पर हमला है। हालांकि विक्टोरिया की मुख्यमंत्री जैसिंटा एलन ने अब तक सार्वजनिक रूप से इस घटना की निंदा नहीं की है, लेकिन उनके कार्यालय ने मंदिर प्रबंधन को एक निजी संदेश भेजा है।

थाईलैंड ने कंबोडिया पर एफ-16 से किया हमला, हाई अलर्ट पर कई देश

रूस और यूक्रेन के बीज की जंग सालों से चल रही है। वहीं हाल ही में ईरान और इजरायल के बीच बैटल का नया ग्राउंड देखने को मिला था, जिसमें अमेरिका ने भी अपने बी2बॉम्बर्स के साथ एंट्री कर ली थी। लेकिन इस युद्ध का तो विराम हो गया। फिर भी इजरायल एक और मोर्चे में फिलिस्तीन के साथ जंग में उलझा है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप शांति का राग अलाप रहे हैं। लेकिन विश्व में एक और युद्ध का मोर्चा खुल गया है। थाईलैंड और कंबोडिया ने बीच जंग शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के बीच, थाईलैंड ने गुरुवार को कहा कि उसने कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। सेना ने कहा कि थ–16 लड़ाकू विमानों ने कंबोडिया में दो सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। उसने कहा कि छह लड़ाकू विमानों ने ज़मीन पर स्थित कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। यह हवाई हमला थाई अधिकारियों द्वारा दिन में पहले दी गई जानकारी के बाद किया गया है कि कंबोडियाई तोपखाने की गोलाबारी में दो थाई नागरिक मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जेट विमानों ने सड़क पर दो बम गिराए, और वह कंबोडिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ थाईलैंड साम्राज्य के लापरवाह और क्रूर सैन्य आक्रमण की कड़ी निंदा करता है। यह झड़पें तब हुईं जब थाईलैंड ने बुधवार देर रात कंबोडिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया और कहा कि वह बैंकॉक में कंबोडिया के दूत को निष्कासित कर देगा। इससे पहले, एक सप्ताह के अंतराल में दूसरे थाई सैनिक ने बारूदी सुरंग में अपना अंग खो दिया था, जिसके बारे में बैंकॉक ने आरोप लगाया था कि हाल ही में विवादित क्षेत्र में इसे बिछाया गया था।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जंग शुरू

थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों ने बृहस्पतिवार को सीमा पर एक–दूसरे पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम नौ नागरिकों की मौत हो गयी। थाइलैंड की सेना ने बताया कि ज्यादातर लोगों की मौत सी सा केत प्रांत में हुई, जहां एक गैस स्टेशन पर गोलियां चलने के बाद छह लोगों की मौत हो गयी। गुरुवार सुबह प्रसात ता मुएन थॉम हिंदू मंदिर के पास थाई और कंबोडियाई सेनाओं के बीच हुई झड़पों के बाद गोलाबारी और उसके बाद हवाई हमलों की खबर आई। यह मंदिर थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओद्दार मींचे प्रांत के बीच दोनों देशों की सीमा के एक विवादित हिस्से में स्थित है। सुबह–सुबह, प्रसात ता मुएन थॉम मंदिर के पास थाई और कंबोडियाई सेनाओं के बीच गोलीबारी हुई। थाई सेना ने कंबोडियाई सेनाओं पर पहले इलाके में ड्रोन भेजने और फिर पहली गोलीबारी करने का आरोप लगाया। वहीं, कंबोडियाई सेनाओं ने कहा कि थाईलैंड ही हमलावर था। मई में एक सशस्त्र टकराव के बाद से दक्षिणपूर्वी एशियाई पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते बिगड़ गए हैं। इस टकराव में कंबोडिया के एक सैनिक की मौत हो गयी थी।

नाटो-अमेरिका जिस रूसी क्षेत्र पर हमले की कर रहे थे प्लानिंग, पुतिन को बचाने के लिए मोदी ने मचाया तहलका

भारत ने अचानक रूस के एक इलाके में लाखों किलो चावल भेज दिया है, जिस इलाके में अमेरिका और नाटो देश हमले की तैयारी में लगे हुए हैं। अमेरिका तो इस इलाके को रूस से किसी भी कीमत पर छीनना चाहता है। लेकिन रूस के इस इलाके में जैसे ही भारत का 390 टन चावल पहुंचा तो लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। रूस की सरकार और रूसी मीडिया ने बोलना शुरू कर दिया कि दोस्त हो तो भारत जैसा। यानी अमेरिका और नाटो देश रूस के जिस इलाके को बर्बाद करना चाहते हैं। उसी इलाके को आबाद करने के लिए भारत ने लाखों किलो चावल भेज दिए।

हमें कभी निराश नहीं किया...पीएम मोदी का विमान लैंड करने से पहले ही मालदीव गाने लगा भारत के गुण

मालदीव के एक पूर्व मंत्री ने ज़रूरत पड़ने पर द्वीपीय देश की मदद के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव की यात्रा पर आने वाले हैं, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में एक नया मोड़ आने की उम्मीद है, जबकि एक साल पहले दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई थी। पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने कहा कि जब भी

मालदीव पर कोई संकट आया है, भारत हमेशा सबसे पहले सहायता देने वाला देश रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीयों का दिल बड़ा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद मालदीव को सहायता जारी रखने और बढ़ाने का भारत का कदम उसकी परिपक्वता और उदारता को दर्शाता है। शाहिद ने कहा कि मालदीव और भारत के बीच संबंधों ने हमेशा यह दर्शाया है कि भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश है। जब भी हम अंतरराष्ट्रीय लाइन पर बात करते हैं, भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देता है। इसके कई कारण हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि भारतीय लोगों का दिल बड़ा है और वे पड़ोस में मालदीव की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, इसलिए वे बहुत उदार हैं। उन्होंने आगे कहा कि भौगोलिक रूप से भारत मालदीव के बहुत करीब है। जब भी मालदीव में कोई आपात स्थिति या संकट की स्थिति आती है, भारत ने हमें कभी निराश नहीं किया है... भारत सरकार द्वारा सहायता में की गई वृद्धि उसकी उदारता और परिपक्वता को दर्शाती है।

मोहम्मद मुइज्जू की सरकार पर कटाक्ष करते हुए शाहिद ने कहा कि मालदीव के राजनीतिक दलों को भारत जैसे प्रमुख पड़ोसी देशों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं और शाहिद का मानना है कि उनकी यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होंगे। हमारे पड़ोस में ही एक बहुत बड़ा बाज़ार है।

यह स्वाभाविक है कि हम भारत में हो रही आर्थिक तेज़ी का लाभ उठाएँ। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि राजनयिक तनाव के कारण मालदीव आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई। लेकिन मुझे लगता है कि इस बार प्रधानमंत्री की यात्रा सब कुछ ठीक कर देगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227